RAJHIN/2016/70516

Bhilwara/171/2026-2028

सच्चाई से रुबरु

स्मार्ट हलचल

smarthalchal.com

वर्षः 11 अंकः 148 | जयपुर, भीलवाड़ा चित्तौड़गढ़ शुक्रवार, 27 नवम्बर 2026 | मूल्यः 4 रुपए | पृष्ठः 08

► 30 नवंबर को लोकसभा और 2 दिसंबर को राज्यसभा की बैठक

संसद का विशेष सत्रः परिसीमन और महिला आरक्षण बिल पारित कराए जाने की संभावना

एनडीए सरकार के पास दो तिहाई बहुमत से ज्यादा लगभग 375 का नंबर पूरा, द्रमुक का खुला समर्थन, विपक्ष के कई दलों के सदस्य सदन से रह सकते हैं गैर मौजूद

● नई दिल्ली

संसद सत्र और परिसीमन विधेयक को लेकर चल रहा असमंजस खत्म हो गया है। सरकार ने सोमवार 30 नवंबर को लोकसभा और बुधवार 2 दिसंबर को राज्यसभा का विशेष सत्र बुलाने का एलान किया है। इस तरह से उसने परिसीमन बिल पारित कराने के लिए विशेष सत्र बुलाए जाने की घोषणा कर दी है।

संसद की इस विस्तारित बैठक का एजेंडा अभी घोषित नहीं किया गया है, लेकिन इसमें संदेह नहीं कि लोकसभा में सीटों की संख्या 50 प्रतिशत बढ़ाने के लिए परिसीमन से संबंधित संविधान संशोधन विधेयक लाने के लिए यह विशेष सत्र बुलाया जा रहा है। इसका संकेत संविधान दिवस पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से विशेष लेख में यह लिखे जाने से मिल गया था कि मैं नारी शक्ति को भरोसा दिलाता हूं कि उन्हें न्याय दिलाने के हमारे संकल्प को दुनिया की कोई ताकत रोक नहीं सकती। खास बात यह है कि इस बार विधेयक में लिखित रूप से यह शामिल होगा कि सभी राज्यों में 50 प्रतिशत सीटें बढ़ेंगी। सभी राज्यों में बढ़ने वाली सीटों की संख्या भी बताई जाएगी। सरकार के सत्र बुलाने के इस दांव के बाद परिसीमन बिल पर सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच जबरदस्त सियासी वार-पलटवार की तैयारियां शुरू हो गई हैं। सरकार महिला आरक्षण लागू करने की दलील के साथ परिसीमन बिल पारित कराने के लिए लोकसभा में दो तिहाई बहुमत जुटाने के लिए सियासी दांव-पेंच में कोई कसर नहीं छोड़ेगी, वहीं विपक्षी आइएनडीआइए गठबंधन परिसीमन बिल को रोकने के लिए फिर से पूरा जोर लगाएगा।



बिल पास कराने के लिए सरकार का गणित

सरकार बीते अप्रैल महीने में परिसीमन से संबंधित संविधान संशोधन विधेयक लोकसभा में लेकर आई थी, लेकिन वह दो तिहाई सांसदों का समर्थन नहीं जुटा पाई। विधेयक के पक्ष में 298 मत पड़े तो विरोध में 234 मत पड़े। सरकार दो तिहाई बहुमत के आंकड़े से दूर रह गई। हालांकि, बंगाल चुनाव में तृणमूल कांग्रेस की हार के बाद पार्टी में हुई टूट के बाद उसके 20 लोकसभा सदस्य राजग के सहयोगी के रूप में अब भाजपा के साथ जुड़ चुके हैं। इसी दरम्यान शिवसेना यूबीटी में भी तोड़फोड़ हुई और उसके छह लोकसभा सदस्य भाजपा के सहयोगी एकनाथ शिंदे की शिवसेना में शामिल हो चुके हैं। इस तरह भाजपा-राजग के पास इस समय घोषित रूप से 319 लोकसभा सदस्यों का समर्थन है और दो तिहाई आंकड़े के लिए करीब 360 सदस्यों की जरूरत है। शरद पवार की राकांपा के पास आठ तो द्रमुक के पास 22 लोकसभा सदस्य हैं। ये दोनों पार्टियां परिसीमन पर सरकार का साथ देती हैं तो यह आंकड़ा 349 पहुंच जाएगा और ऐसे में कुछ अन्य सदस्यों की व्यवस्था करना भाजपा सरकार के लिए मुश्किल नहीं होगा।

नारी शक्ति को न्याय दिलाने से कोई भी ताकत नहीं रोक सकती

संविधान दिवस के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महिला आरक्षण के मुद्दे पर विपक्ष को फिर घेरा है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि नारी शक्ति को न्याय दिलाने से कोई ताकत नहीं रोक सकती। पीएम मोदी ने संविधान निर्माण में महिलाओं के योगदान को याद करते हुए कहा कि देश की संवैधानिक यात्रा उनके उल्लेख के बिना अधूरी है, लेकिन इसी के साथ उन्होंने इस साल संसद में महिला आरक्षण से जुड़ा विधेयक पास नहीं हो पाने पर विपक्ष को निशाने पर लिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस घटनाक्रम से देश को शर्मिंदगी महसूस होनी चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी ने संविधान दिवस के संदेश में कहा, हमारे संविधान की यात्रा उन असाधारण महिलाओं को याद किए बिना अधूरी रहेगी जिन्होंने इसे आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, लेकिन इस साल की शुरुआत में जो कुछ हुआ उससे हमारे मन में शर्म का भाव पैदा होना चाहिए। उन्होंने कहा, मैं भारत की नारी शक्ति को आश्वस्त करता हूं कि उन्हें न्याय दिलाना सुनिश्चित करने से कोई ताकत हमें रोक नहीं सकती।

मुख्यमंत्री ने संविधान दिवस पर कांग्रेस पर साधा निशाना

कांग्रेस ने संविधान को तोड़ा-मरोड़ा चुनी हुई सरकारों को बर्खास्त किया

विधानसभा परिसर में आयोजित कार्यक्रम में सीएम ने कहा, प्रदर्शन के बहाने अपने कर्मों का पश्चाताप कर रही है कांग्रेस

● भोपाल



मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरुवार को संविधान दिवस पर कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कांग्रेस पर संविधान के मूल भाव से खिलवाड़ करने का आरोप लगाते हुए कहा- कांग्रेस ने करीब 100 बार संविधान के मूल भाव को तोड़ने-मरोड़ने का काम किया और 90 से ज्यादा बार चुनी हुई सरकारों को बर्खास्त करने का पाप भी उसी के सिर है। कांग्रेस नेताओं के हाथ में संविधान की प्रति देखकर लगता है, चलनी कहे सूप से कि देख तेरे में छेद है। मुख्यमंत्री ने आपातकाल, शाहबानो प्रकरण और 1988 के प्रेस अधिनियम का उल्लेख करते हुए कांग्रेस के शासनकाल पर सवाल उठाए।

मुख्यमंत्री संविधान दिवस के अवसर पर मप्र विधानसभा परिसर में आयोजित संविधान दिवस उत्सव को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि संविधान 1949 में अंगीकार किया गया था और 1950 में लागू हुआ। 1950 में संविधान लागू होने के एक साल बाद ही पहला संशोधन कर दिया गया। उन्होंने 1954 में संसद में चर्चा के बिना संशोधन किए जाने का भी आरोप लगाया। कांग्रेस के विरोध प्रदर्शनों पर उन्होंने कहा कि जिस पार्टी ने बार-बार संविधान का मखौल उड़ाया, उसके नेता आज संविधान की प्रति लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने जबलपुर के त्रिपुरी अधिवेशन का उल्लेख करते हुए कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस के कांग्रेस अध्यक्ष चुने जाने के बाद तत्कालीन नेतृत्व ने उन्हें इस्तीफा देने और पार्टी छोड़ने के लिए मजबूर किया था।

संविधान निर्माण में मप्र की महत्वपूर्ण भूमिका

मुख्यमंत्री ने कहा कि संविधान निर्माण में मप्र की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। देश का नाम इंडिया नहीं, भारत हो, यह तय करने में मप्र की बड़ी भूमिका रही है। मध्यभारत क्षेत्र के प्रतिनिधित्वकर्ता सेठ गोविंद दास और हरि विष्णु कामत ने इंडिया के स्थान पर भारत नाम की वकालत की। भारत के राष्ट्रीय प्रतीक अशोक चिह्न में चार शेर की पृष्ठभूमि भी मप्र से जुड़ती है। इसके चित्रांकन में स्व. पंडित दीनानाथ भार्गव की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। मुख्यमंत्री और विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर ने मप्र विधानसभा परिसर में स्थित संविधान निर्माता डॉ. अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। साथ ही विधानसभा के यूट्यूब चैनल का शुभारंभ और विधानसभा की त्रैमासिक पत्रिका विधायिनी के संविधान दिवस विशेषांक का विमोचन किया गया। विधानसभा अध्यक्ष तोमर ने कहा कि संविधान हमें तश्तरी में रखकर नहीं मिला, बल्कि इसके पीछे हमारे पूर्वजों का संघर्ष और बलिदान है। स्वतंत्रता सेनानियों ने अपने प्राणों की आहुति देकर देश को आजादी दिलाई, जिसके बाद संविधान के माध्यम से लोकतांत्रिक व्यवस्था स्थापित हुई।

पैकेट वाले खाने पर बतानी होगी टोटल शुगर की मात्रा

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा आदेश, तीन अलग-अलग चेतावनी वाले निशान लगाने होंगे

● नई दिल्ली



सुप्रीम कोर्ट ने पैकेट में बिकने वाले खाने की चीजों को लेकर कहा है कि जिन खाद्य पदार्थों में फैट, शुगर या नमक की मात्रा तय सीमा से ज्यादा है, उनके पैकेट के सामने अलग-अलग चेतावनी वाले निशान लगाने होंगे।

इन निशानों के जरिए ग्राहकों को आसानी से पता चल सकेगा कि किसी खाने में फैट, शुगर या नमक कितना ज्यादा है। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस के विनोद चंद्रन की बेंच ने केंद्र सरकार और भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) को इस व्यवस्था को सही तरीके से लागू करने के निर्देश दिए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि हर चेतावनी का निशान लाल रंग के षटकोण (छह कोने वाले निशान) के रूप में होना चाहिए। इस पर संबंधित जानकारी और तस्वीर भी होनी चाहिए। जैसे हाई फैट, हाई शुगर या हाई सॉल्ट। यानी अगर किसी पैकेट में फैट, शुगर और नमक तीनों की मात्रा तय सीमा से ज्यादा है, तो उसके लिए तीन अलग-अलग चेतावनी वाले निशान लगाने होंगे। एक ही निशान में तीनों की जानकारी देना काफी नहीं होगा।

हाई फैट, शुगर और नमक की जानकारी देना जरूरी

पैकेट पर निशान का आकार क्या होगा

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि हर लाल निशान का आकार पैकेट के मुख्य हिस्से का करीब 4 से 5 फीसदी होना चाहिए, ताकि ग्राहक खरीदारी के समय इसे आसानी से देख सकें। इसके अलावा निशान के अंदर लिखे शब्दों का आकार भी ऐसा होना चाहिए कि सामान्य रोशनी में उन्हें आसानी से पढ़ा जा सके। कोर्ट ने केंद्र सरकार को 2020 के फूड सेफ्टी और लेबलिंग नियमों को भी सही तरीके से लागू करने का निर्देश दिया है।

इजराइल में आइजनकोट सरकार बनाने के करीब

समर्थन में 7 नए सांसद आए, नेतन्याहू के पुराने साथी साथ छोड़ सकते हैं

तेल अवीव।

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की कुर्सी खतरे में पड़ती दिख रही है। उन्हें सत्ता से हटाने के लिए विपक्ष ने ऐसा दांव चला है, जिससे उनकी सरकार के पुराने साथी भी पाला बदल सकते हैं।

पूर्व सैन्य प्रमुख गादी आइजनकोट ने दक्षिणपंथी नेता एविगडोर लिबरमैन को अपने साथ मिला लिया है। लिबरमैन की पार्टी यिसराइल बेतेनु के पास 7 सांसद हैं।

अब आइजनकोट नेतन्याहू की सरकार में शामिल रही 7 सांसदों वाली यूनाइटेड टोरा जूडिज्म पार्टी से भी बातचीत कर रहे हैं। यह पार्टी अगर आइजनकोट के साथ आती है, तो नेतन्याहू के लिए बहुमत बचाना मुश्किल हो सकता है।

आइजनकोट के साथ फिलहाल 48 सांसद हैं। यूनाइटेड टोरा जूडिज्म के सभी 7 सांसद उनका समर्थन करते हैं, तो यह संख्या 55 हो जाएगी। यानी बहुमत के लिए जरूरी 61 सीटों से वे सिर्फ 6 कदम दूर रह जाएंगे। इसके बाद उन्हें अरब पार्टियों या दूसरे सांसदों का साथ जुटाना होगा।



लिबरमैन के साथ समझौता, अब धार्मिक दलों पर नजर

आइजनकोट और लिबरमैन ने मंगलवार रात मिलकर सरकार बनाने पर समझौता किया। लिबरमैन का आइजनकोट के साथ आना नेतन्याहू के खिलाफ विपक्ष की बड़ी कामयाबी माना जा रहा है।

लिबरमैन लंबे समय से नेतन्याहू के विरोधी रहे हैं। बुधवार को उन्होंने दावा किया कि अगले हफ्ते तक नई सरकार बन सकती है।

अब आइजनकोट की कोशिश उन धार्मिक पार्टियों को अपने साथ लाने की है, जो अब तक नेतन्याहू की सरकार को समर्थन देती रही हैं। इनमें यूनाइटेड टोरा जूडिज्म पार्टी भी शामिल है। इसके पास संसद में 7 सीटें हैं। पार्टी के नेता आइजनकोट से बातचीत के लिए तैयार हो गए हैं। हालांकि, सरकार में शामिल होने से पहले वे एक शर्त रख सकते हैं। उनकी मांग है कि धार्मिक छात्रों को सेना में भर्ती से छूट देने के मुद्दे पर समझौता किया जाए।

भारत में पाकिस्तानी वेब सीरीज पर लगा प्रतिबंध

● नई दिल्ली / आरएनएन

➲ केंद्र सरकार ने नेटफ्लिक्स को दी चेतावनी

सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स से यह सुनिश्चित करने को कहा है कि पाकिस्तान में बने किसी भी कंटेंट की भारत में स्ट्रीमिंग न हो।

मंत्रालय का यह निर्देश 8 मई 2025 को जारी किए गए उसके पुराने आदेश के अनुरूप है। रिपोर्ट के मुताबिक, मंत्रालय ने नेटफ्लिक्स को पिछले साल जून में किए गए उसके अपने वादे का सम्मान करने के लिए कहा है। उस समय स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म ने मंत्रालय को सूचित किया था कि भारत में उसके सब्सक्राइबर्स के लिए पाकिस्तान से जुड़ी कोई भी फिल्म या वेब सीरीज उपलब्ध नहीं कराई गई है।

शरद पवार की फिर तबीयत बिगड़ी

मुंबई, आरएनएन। एनसीपी (एसपी) चीफ शरद पवार की तबीयत एक बार फिर खराब हो गई है। उनकी बेटी और सुप्रिया सुले ने बताया कि उनके पिता को मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। 85 वर्षीय शरद पवार की तबीयत की जानकारी मिलते ही सुप्रिया मीटिंग छोड़कर हॉस्पिटल के लिए रवाना हुईं। सुप्रिया सुले ने कहा, बाबा को ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कर रही हूं।

ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती

सलमान खान और राजश्री पान मसाला को नोटिस

● जोधपुर / आरएनएन

याचिका में सवाल, 5 रुपए के पैकेट में चार लाख/किलो का केसर कैसे

बॉलीवुड एक्टर सलमान खान और राजश्री पान मसाला के विज्ञापन से जुड़ा उपभोक्ता विवाद एक बार फिर कानूनी मोड़ पर पहुंच गया है।

राजस्थान राज्य उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग की सर्किट बेंच जोधपुर में दायर पुनरीक्षण याचिका पर सुनवाई करते हुए आयोग ने एक्टर सलमान खान और राजश्री पान मसाला को नोटिस जारी किए हैं। मामले में अगली सुनवाई अगले साल 19 जनवरी को तय की गई है। याचिकाकर्ता के वकील ने बताया कि मामले में मुख्य विवाद उत्पाद के विज्ञापन में किए जाने वाले दावों और सेलिब्रिटी एंडोर्समेंट को लेकर है।

कॉकरोच पार्टी का नागपुर में प्रदर्शन

दीपके का चुनावों में गड़बड़ी का आरोप, कहा, संविधान की रक्षा के लिए सभी आगे आएं

नागपुर।

कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) का गुरुवार को नागपुर के संविधान चौक पर 'लोकतंत्र बचाओ, संविधान बचाओ' कार्यक्रम हुआ। सीजेपी का समर्थन करने अभिनेता प्रकाश राज भी पहुंचे। इससे पहले गुरुवार सुबह सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने नागपुर में दीक्षाभूमि पहुंचकर डॉ. भीमराव अंबेडकर को श्रद्धांजलि दी। दीपके ने कहा कि आज का दिन सिर्फ मेरे लिए ही नहीं, बल्कि देश के सभी नागरिकों के लिए बेहद खास और पवित्र है। उन्होंने लोगों से अपील की कि सभी एकजुट होकर संविधान की रक्षा के लिए आगे आएं और इस बारे में चर्चा करें। बुधवार को सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने संवाददाता सम्मेलन में चुनाव में गड़बड़ी का आरोप लगाया था। साथ ही उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री मोदी से जुड़ी सामग्री को बढ़ावा दिया जा रहा है, जबकि अन्य राजनीतिक संदेशों को दबाया जा रहा है। दीपके ने दावा किया कि जनवरी से जून के बीच इंस्टाग्राम से 50 लाख से ज्यादा संदेश हटाए गए। विरोध जताने के लिए उन्होंने संवाददाता सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी की तस्वीर लगाई और मोदी चालीसा भी बजाई।

सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने चुनावी प्रक्रिया और चुनाव आयोग की भूमिका पर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनावों में गड़बड़ियां हो रही हैं और चुनाव केवल औपचारिकता बनकर रह गए हैं।

उन्होंने कहा कि देश संविधान और डॉ. भीमराव अंबेडकर के विचारों के अनुसार चलना चाहिए। दीपके के मुताबिक, सीजेपी किसी राजनीतिक दल का समर्थन नहीं करती और न ही पार्टी बनाने की योजना है। संगठन रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी सुविधाओं जैसे मुद्दों को प्रमुखता देना चाहता है।



पार्टी सूखाग्रस्त विदर्भ-मराठवाड़ा में अभियान चलाएगी

प्रदर्शन में अभिनेता प्रकाश राज और सीजेपी के सह-संयोजक आशुतोष रांका भी शामिल होंगे। रांका ने बताया कि संगठन महाराष्ट्र के सूखाग्रस्त विदर्भ और मराठवाड़ा में छह दिवसीय 'क्या बोलती पब्लिक' अभियान चलाएगा। इसके तहत सदस्य किसानों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सामने लाएंगे। गोवा में मिली अच्छी प्रतिक्रिया के बाद यह अभियान दिल्ली, केरल, झारखंड, बिहार, उत्तर प्रदेश और राजस्थान में भी चलाया जाएगा। गोवा में स्थानीय लोगों और सामाजिक संगठनों के साथ मिलकर नागरिक घोषणापत्र भी तैयार किया जाएगा।

सीजेपी मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग और विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के विरोध में देश के अलग-अलग शहरों में प्रदर्शन कर रही है। सीजेपी ने इससे पहले मुंबई, बेंगलुरु, दिल्ली और कोच्चि में प्रदर्शन किए थे।

सबसे बड़ा दानी भगवान वेंकटेश्वर को 206 करोड़ के 121 किलो सोने के आभूषण भेंट किए

जैन दंपति ने किया आज तक का सबसे बड़ा दान

● तिरुमाला / आरएनएन



चेन्नई के एक दंपति वर्धमान जैन और राधिका जैन ने भगवान वेंकटेश्वर को 206 करोड़ रुपये मूल्य के 121 किलोग्राम सोने और हीरे के आभूषण भेंट किए।

इनकी कीमत करीब 206 करोड़ रुपए है। दान मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू की मौजूदगी में हुआ। दान में 9 सेट में रखे 45 जेवर और 238.2 कैरेट के हीरे शामिल हैं। दंपती ने मंदिर में भगवान वेंकटेश का मुकुट और पैरों के आभूषण भी चढ़ावे में दिए। टीटीडी के मुताबिक, तिरुमला में भगवान वेंकटेश्वर को किसी एक भक्त की ओर से दिया गया यह अब तक का सबसे बड़ा चढ़ावा है। दान किए गए रत्नों और आभूषणों में से 106 किलो सोने के आभूषण भगवान के लिए थे, जबकि देवी श्री पद्मावती अम्मावरु को 15 किलो वजन के आभूषण/पोशाक भेंट की गईं।

15 महीने में बने भगवान के 45 आभूषण

दिलचस्प बात यह है कि भक्त द्वारा भेंट किया गया 121 किलोग्राम सोना, तिरुमाला मंदिर के गर्भगृह में मुख्य देवता को सजाने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले आभूषणों के कुल वजन के बराबर है। इस सोने से नौ सेटों में 45 आभूषण तैयार करने में लगभग 15 महीने का समय लगा। कई साल पहले अमेरिका जाने से पहले, इस भक्त ने सफलता के लिए भगवान वेंकटेश्वर से प्रार्थना की थी। बाद में उन्होंने एक आईटी कंपनी शुरू की और एक सफल उद्यमी बन गए। हाल ही में, अपनी कंपनी में 60 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचने के बाद उन्हें 6,000 करोड़ रुपये से अधिक की राशि मिली। इस सौदे के बाद, उन्होंने अपनी संपत्ति का एक हिस्सा सामाजिक कार्यों के लिए समर्पित करने और भगवान वेंकटेश्वर के प्रति अपना पुराना संकल्प पूरा करने के लिए उन्हें भेंट देने का निर्णय लिया।

ट्रम्प प्रशासन द्वारा प्रस्तावित टैरिफ बढ़ोतरी का हो रहा विरोध

ट्रम्प के टैरिफ पर भड़क उठा चीन जापान भी बोला- ये मनमानी क्यों

चीन बोला, ये टैक्स एक गलत आधार है और अमेरिका की मनमानी नहीं चलेगी

● वाशिंगटन

चीन, जापान और अमेरिका के अन्य व्यापारिक साझेदारों ने ट्रम्प प्रशासन द्वारा प्रस्तावित टैरिफ बढ़ोतरी का विरोध किया है। साथ ही, उन्होंने इस आरोप का भी कड़ा जवाब दिया है कि उनके पास जरूरत से ज्यादा मैन्युफैक्चरिंग क्षमता है। चीन ने टैरिफ को लेकर कहा है कि अमेरिका द्वारा लगाया गया ये टैक्स 'एक गलत आधार' है और अमेरिका की मनमानी नहीं चलेगी।

वहीं जापान, सिंगापुर और अन्य साझेदार देशों ने भी अमेरिका के खिलाफ मनमाने टैरिफ का विरोध किया है। ट्रम्प की ओर से प्रस्तावित नया टैरिफ जनवरी से लागू हो सकता है, जिनका उद्देश्य कई अर्थव्यवस्थाओं पर फिर से टैरिफ लागू करना है। यह टैरिफ तब आया है, जब फरवरी में सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड



ट्रम्प द्वारा पिछले साल लगाए गए व्यापक टैरिफ को रद्द कर दिया था। ये नए आयात शुल्क 'सेक्शन 301' के तहत कई महीनों तक चली जांच के बाद लगाए गए हैं। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जेमिसन ग्रीर ने कहा कि जांच में पाया गया है कि 14 अर्थव्यवस्थाओं की मैन्युफैक्चरिंग क्षमता और उत्पादन से जुड़ी पॉलिसी अनुचित हैं और अमेरिकी व्यापार पर बोझ डालती हैं या उसे सीमित करती हैं।

चीन बोला-यूएस टैरिफ गलत

अमेरिका के सबसे बड़े व्यापारिक साझेदारों में से एक, चीन पर 20 प्रतिशत का टैरिफ लगाया गया है। चीन ने ओवरकैपेसिटी के तर्क को सिरे से खारिज करते हुए इसे गलत तरीका बताया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने नियमित प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि चीन इसका विरोध करता है, क्योंकि इसे राजनीतिक चाल चलने के बहाने के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। टैरिफ युद्ध और व्यापार युद्ध से किसी का भला नहीं होता। यूएस-चीन ने अपने ट्रेड डील को दो माह के लिए बढ़ा दिया है।

जापान ने दर्ज कराया विरोध

जापान पर अमेरिका ने 15 प्रतिशत तक के नए टैरिफ लगाए हैं। जापानी सरकार ने कहा है कि उसने वाशिंगटन के सामने इस पर अपना विरोध दर्ज कराया है। मुख्य कैबिनेट सचिव मिनोरू किहारा ने गुरुवार को एक नियमित प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि जापान में न तो कोई गैर-बाजार नीतियां या प्रथाएं हैं, और न ही यहां जरूरत से ज्यादा उत्पादन क्षमता मौजूद है। यह अफसोस की बात है कि अमेरिका ने जापान को निशाना बनाते हुए ये कदम उठाने की घोषणा की है।

भारत को टैरिफ की धमकी देकर घर में घिरे ट्रम्प, अमेरिकी सांसदों ने सुनाया

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भारत के सिर पर एक बार फिर टैरिफ की तलवार लटकाई है। बुधवार को ट्रम्प की सरकार ने भारत सहित 16 देशों के खिलाफ जांच शुरू कर टैरिफ लगाने का प्रस्ताव रखा है। इस प्रस्ताव के तहत भारत पर 25 फीसदी तक टैरिफ लगाने का प्लान है। हालांकि अपने इस प्लान को लेकर ट्रंप घर में घिर गए हैं। अमेरिकी सांसदों ने यह खबर सामने आते ही ट्रंप को खूब खरी खोटी सुनाई। उनका मानना है कि अमेरिका की असली लड़ाई चीन से है, लेकिन ट्रंप भारत जैसे देशों को निशाना बना रहे हैं। सांसदों ने यह भी कहा है कि इस नीति से अमेरिकियों का सिर्फ नुकसान ही हुआ है। इससे पहले अमेरिका की व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय (यूएसटीआर) ने बुधवार को भारत से आयातित वस्तुओं पर 17 प्रतिशत शुल्क लगाने का प्रस्ताव रखा। एजेंसी ने आरोप लगाया कि भारत में औद्योगिक क्षमता जरूरत से ज्यादा बढ़ने से अमेरिकी कंपनियों के हितों को नुकसान पहुंच सकता है। इसके साथ ही यह भी कहा गया कि भारत के साथ व्यापार समझौता नहीं होने की स्थिति में यह शुल्क बढ़कर 25 प्रतिशत हो जाएगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक अमेरिका कई महीनों से इस बात की जांच कर रहा है कि क्या भारत, चीन और ब्राजील जैसे 16 और देशों की नीतियां अतिरिक्त उत्पादन को बढ़ावा देती हैं। स का मानना है कि इस तरह अधिक उत्पादन से चीजों की कीमत नीचे गिर जाती है और अमेरिकी इंडस्ट्रीज को नुकसान पहुंचता है।

26/11 हमले की 18वीं बरसी

● मुम्बई

इस्राइल ने गुरुवार को 26/11 मुंबई आतंकी हमलों के पीड़ितों को श्रद्धांजलि दी। इस दौरान उन्होंने भारतीय लोगों के जज्बे और दूसरों की जान बचाने के लिए अपनी जान जोखिम में डालने वालों के साहस को नमन किया।

इस्राइली विदेश मंत्रालय ने एक्स पर कहा कि आज, इस्राइल भारतीय लोगों के जज्बे, दूसरों की रक्षा के लिए अपनी जान जोखिम में डालने वालों के साहस, और 26/11 मुंबई के भयानक आतंकी हमलों में मारे गए निर्दोष लोगों की याद को नमन करता है। आतंकवाद की कोई सीमा नहीं होती, और न ही इसे हराने के



हमारे साझा संकल्प की कोई सीमा है। आतंकवाद के खिलाफ इस संयुक्त लड़ाई में इस्राइल मजबूती से भारत के साथ खड़ा है। इसके साथ ही उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के साथ एकजुटता दोहराई। इस्राइल के महावाणिज्य दूत (कॉन्सुल जनरल) यानिव रेवाच ने मुंबई के लियोपोल्ड कैफे का दौरा किया।

आतंकवाद के खिलाफ भारत के समर्थन पर इस्राइल बोला- न भूलेंगे, न माफ करेंगे

इस दौरे के दौरान समाचार एजेंसी से खास बातचीत में रेवाच ने कहा कि मैं यहां भारत के साथ एकजुटता दिखाने आया हूं। जो कुछ यहां हुआ, और पूरे मुंबई शहर में हुआ, उसे हम कभी नहीं भूलेंगे। हम भारत का समर्थन करते हैं, हम भारत के साथ खड़े हैं। हम न तो कभी भूलेंगे और न ही कभी माफ करेंगे, और हम मिलकर आतंकवाद के खिलाफ लड़ते रहेंगे। उन्होंने आतंकवाद से निपटने के प्रयासों में भारत और इस्राइल के बीच और अधिक करीबी सहयोग की आवश्यकता पर जोर दिया। इसमें उन सरकारों और देशों का सामना करना भी शामिल है जो आतंकवादी समूहों का समर्थन करते हैं।

रेवाच ने बताया कि मैं देखता हूं कि भारत कई मामलों में काफी आगे है। इन विषयों पर हमें भारत से बहुत कुछ सीखने को मिल सकता है। मुझे पक्का यकीन है कि आतंकवाद से निपटने के लिए हमें मिलकर काम करते रहना चाहिए। इसमें न केवल आतंकवादी समूहों को, बल्कि उन सरकारों और देशों को भी शामिल करना चाहिए जो असल में इन समूहों के पीछे खड़े हैं, ताकि आतंकवादी गतिविधियों को पूरी तरह खत्म किया जा सके।

भारत-नेपाल सीमा के पास 19.39 किलो हाथी दांत जब्त

नई दिल्ली, आरएनएन। डीआरआई ने वन्यजीवों की अवैध तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए बिहार के पश्चिम चंपारण जिले में भारत-नेपाल सीमा के पास 19.39 किलो हाथी दांत जब्त किया है। वित्त मंत्रालय-बिहार पुलिस के साथ संयुक्त रूप से चलाए अभियान में हाथी दांत की तस्करी में शामिल चार लोगों को गिरफ्तार किया है। डीआरआई अधिकारियों ने बिहार पुलिस के साथ मिलकर यह कार्रवाई की। अभियान के दौरान दो दोपहिया वाहनों पर सवार चार संदिग्धों को रोका गया। इनमें से एक व्यक्ति के पास मौजूद बैग में हाथी दांत होने का संदेह था। आरोपियों को सुरक्षा एजेंसियों ने उन्हें पकड़ लिया।

पूर्व पेंटागन अधिकारी माइकल रुबिन ने दी चेतावनी

अगर शेख हसीना को कुछ हुआ तो जिम्मेदार बांग्लादेश के पीएम होंगे

● वाशिंगटन

बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना की वापसी को लेकर विवाद तेज हो गया है। अमेरिका के पूर्व पेंटागन अधिकारी माइकल रुबिन ने बांग्लादेश की तारिक रहमान सरकार को सख्त चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि अगर शेख हसीना को कोई नुकसान पहुंचता है तो इसके लिए सिर्फ और सिर्फ बांग्लादेश सरकार जिम्मेदार होगी।

न्यूयॉर्क में बांग्लादेश का भविष्य' नाम से आयोजित एक सेमिनार में रुबिन ने यह बात कही। उन्होंने भारत से भी अपील की कि वह बांग्लादेश के सामने अपने रुख में कोई डील न करे। रुबिन ने अमेरिकी राजदूत और दूसरे देशों



के राजनयिकों से भी यही संदेश ढाका तक पहुंचाने को कहा। दरअसल, इस कार्यक्रम में शेख हसीना मुख्य अतिथि थीं। उन्होंने ऑनलाइन हिस्सा लिया। हसीना 2024 में छात्र आंदोलन के दौरान बांग्लादेश छोड़कर भारत आ गई थीं। तब से वह भारत में रह रही हैं। शेख हसीना ने इस हफ्ते 16 दिसंबर को बांग्लादेश लौटने की तारीख बताई है।

उत्तर कोरिया का परमाणु दर्जा अपरिवर्तनीय : किम

● प्योंगयांग

उत्तर कोरिया के सर्वोच्च नेता किम जॉन्ग उन ने कई परिचालन क्षेत्रों में सामरिक परमाणु हथियारों के विस्तार पर जोर देते हुए कहा है कि एटमी हथियार संपन्न देश के रूप में उनके देश का दर्जा अपरिवर्तनीय है। कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) ने गुरुवार को यह जानकारी दी। किम ने बुधवार को उत्तर कोरिया की एक गुप्त परमाणु सामग्री उत्पादन इकाई और अनुसंधान संस्थान के दौरे पर कहा कि उनका देश परमाणु सामग्री उत्पादन क्षमता' व्यवस्थित तरीके से बढ़ा रहा था।

इस दौरे का उद्देश्य इस साल की शुरुआत में सत्ताधारी पार्टी के एक अहम सम्मेलन में तय की गई परमाणु रणनीति को लागू करने में हुई प्रगति की समीक्षा करना था। केसीएनए के अनुसार, किम ने कहा कि उत्तर कोरिया अपने परमाणु जखीरे को मजबूत और उन्नत बनाने के लिए परमाणु सामग्री उत्पादन क्षमता को व्यवस्थित रूप से बढ़ा रहा है।

उन्होंने बदलती सुरक्षा स्थिति और विरोधी ताकतों से मिलने वाले खतरों का हवाला देते हुए, विभिन्न मिशनों और परिचालन जरूरतों के लिए सामरिक परमाणु हथियारों को विकसित करने और तैनात करने पर अधिक जोर देने का आह्वान किया। किम ने कहा कि हमारी परमाणु क्षमता अब एक वास्तविकता बन चुकी है।

इस सच्चाई से इनकार करना केवल अपनी विफलता को स्वीकार करना है। उन्होंने अमेरिका पर आरोप लगाया कि वह न्यूक्लियर-शेयरिंग' व्यवस्थाओं और परमाणु हथियारों के संयुक्त इस्तेमाल के जरिए पूर्वोत्तर एशिया में अपने सहयोगियों के बीच परमाणु हथियारों के प्रसार को बढ़ावा दे रहा है।

ईरान के तेल निर्यात पर रोक लगी तो खैर नहीं...

तेहरान, आरएनएन। ईरान की संसद के उप-अध्यक्ष हामिदरेजा हाजीबाबाई ने गुरुवार को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर ईरान के अपने तेल निर्यात को रोका गया, तो वह पूरे क्षेत्र से होने वाले तेल निर्यात को रोक देगा। अमेरिका का मुकाबला करने का एकमात्र तरीका नाकाबंदी के बदले नाकाबंदी है। हाजीबाबाई ने कहा कि अगर ईरान का तेल निर्यात नहीं होगा, तो इस क्षेत्र से भी कोई तेल बाहर नहीं जा पाएगा। उन्होंने चेताया यदि क्षेत्र के देश होर्मुज या फारस की खाड़ी में कहीं भी अमेरिका की मदद करते हैं, तो ईरान उस पूरे क्षेत्र को निशाना बनाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि अगर तेल की कीमतों को कम करने तथा अमेरिका और यूरोप की मदद करने के उद्देश्य से होर्मुज को दरकिनार कर किसी अन्य मार्ग से तेल निर्यात करने का प्रयास किया गया, तो ईरान उसे हमले के लिए एक वैध लक्ष्य मानेगा।

बैंकॉक के ऑयल डिपो में धमाके के बाद लगी आग

● बैंकॉक

थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक के एक ऑयल डिपो में भीषण आग लग गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, घटनास्थल से आग की ऊंची लपटें उठती देखी गईं, जिसके बाद चारों ओर घना काला धुआं फैल गया। यह आग बैंगचाक ऑयल डिपो में हुए एक जोरदार धमाके के बाद लगी, जिसके तुरंत बाद प्रशासन ने आसपास रहने वाले लोगों को इलाका खाली करने का निर्देश दिया।

बैंगना जिला कार्यालय ने अपने फेसबुक पेज पर एक बयान जारी कर कहा कि बैंगचाक ऑयल डिपो में एक विस्फोट हुआ है। अपनी सुरक्षा



के लिए, आसपास के क्षेत्र में मौजूद आम लोगों से आग्रह है कि वे तुरंत इस इलाके को खाली कर दें।

पूर्वी बैंकॉक में स्थित इस विशाल ऑयल डिपो का संचालन थाई ऊर्जा कंपनी बैंगचाक कॉर्पोरेशन द्वारा किया जाता है। आसमान में छाया काले धुएं का गुबार-धमाके के बाद आग की लपटें काफी ऊंचाई तक उठने लगीं और काले धुएं का घना गुबार बैंकॉक के आसमान में दूर-दूर तक फैल गया।

सीआईएसएफ और आईआईटी दिल्ली में करार

नई दिल्ली, आरएनएन। देश के हवाई अड्डों, बंदरगाहों, कोयला और बिजली संयंत्रों सहित अहम प्रतिष्ठानों को ड्रोन से होने वाले खतरों से बचाने सीआईएसएफ ने आईआईटी दिल्ली के साथ डील की। इसके तहत अलग-अलग क्षेत्रों की जरूरतों के मुताबिक स्वदेशी ड्रोन रोधी प्रौद्योगिकी विकसित की जाएगी। साथ ही सीआईएसएफ के जवानों और अफसरों को आधुनिक प्रौद्योगिकी का प्रशिक्षण दिया जाएगा। आईआईटी दिल्ली परिसर में हुई डील पर सीआईएसएफ के सेंथिल अवुदाई कृष्ण राज एस और आईआईटी दिल्ली के निदेशक प्रो. रंगन बनर्जी ने साइन किए।

जलसा, बीएमसी ऑफिस एवं मेट्रो स्टेशन उड़ाने की धमकी

● मुम्बई

महाराष्ट्र में बीएमसी मुख्यालय, महापौर कार्यालय और महानायक अमिताभ बच्चन के जुहू स्थित आवास 'जलसा' को बम से उड़ाने की धमकी भरा ईमेल मिलने के बाद गुरुवार को मुंबई में सुरक्षा एजेंसियों को हाई अलर्ट पर कर दिया गया। अधिकारियों के अनुसार, यह धमकी भरा ईमेल सुबह नगर निकाय की आधिकारिक ईमेल आईडी पर आया।

ईमेल भेजने वाले ने बीएमसी मुख्यालय और अमिताभ बच्चन के बंगले के अलावा महालक्ष्मी इलाके, महालक्ष्मी रेसकोर्स और मुंबई मेट्रो स्टेशनों पर भी बम रखे जाने का दावा किया। मुंबई पुलिस ने इस संदेश का गंभीरता से संज्ञान लिया है और बताई जगहों पर सुरक्षा जांच एवं छानबीन शुरू कर दी। सूत्रों ने बताया कि पिछले चार महीनों में नगर निकाय को मिला यह इस तरह का पांचवां धमकी भरा ईमेल है, जिसके चलते साइबर और पुलिस टीमों ने बार-बार भेजे जा रहे इन संदेशों के स्रोत और उद्देश्य का पता लगाने के प्रयास तेज कर दिए हैं।

राजधानी (न्यू बॉम्बे)
दिन | पूर्व रात
337=3 | 158=4
146=1 | 259=6
www.kalyangame.com

भारत सबमरीन निर्माण का बनेगा ग्लोबल हब

भारत का पानी के अंदर ताकत बढ़ाने का बड़ा प्लान तैयार

● नई दिल्ली

भारत में ऐसा इकोसिस्टम बनेगा जो भविष्य में दूसरे देशों की नौसेनाओं के लिए भी पनडुब्बियां बनाएगा. इससे चीन के बढ़ते रक्षा निर्यात के मुकाबले भारत को नई रणनीतिक और औद्योगिक ताकत मिलेगी।

चीन के विशाल सबमरीन बेड़े और हिंद महासागर में बढ़ती



मौजूदगी के बीच भारत ने अपनी अंडरवाटर ताकत बढ़ाने का बड़ा प्लान तैयार किया है। जर्मनी की कंपनी टीकेएमएस का कहना है, पी पी75(आई) सिर्फ 6 पनडुब्बियां बनाने का प्रोजेक्ट नहीं है, यह भारत को ग्लोबल सबमरीन मैन्युफैक्चरिंग हब बनाने का मौका है। पी75(आई) प्रोजेक्ट में भारतीय नौसेना के लिए 6 आधुनिक स्टेल्थ पनडुब्बियां बनेंगी। प्रोजेक्ट की कीमत करीब 80 हजार करोड़ रुपये रखी गई है। मुकाबला दो साझेदारियों में है. इसमें टीकेएमएस और मझगांव डॉक (एमडीएल) बनाम नावांटिया और एलएंडटी शामिल हैं।

मंच से खरगे की इमरान मसूद को नसीहत... बातों से ज्यादा काम पर ध्यान केंद्रित करें

यूपी में गठबंधन की सरकार लानी है और मोदी-योगी को हराना

लखनऊ , एजेंसी । कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने लखनऊ में पार्टी नेताओं को गठबंधन के खिलाफ बयानबाजी से बचने की नसीहत दी। उन्होंने स्पष्ट कहा कि गठबंधन की सरकार लानी है और मोदी-योगी को हराना है, क्योंकि अंदरूनी झगड़े जीत को मुश्किल बनाते हैं।

कांग्रेस नेता खड़गे ने इस दौरान पार्टी नेता और सांसद इमरान मसूद के जोश की सराहना की, लेकिन साथ ही उन्हें गठबंधन धर्म निभाने और केवल बातों से ज्यादा काम पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि सभी को मिलकर काम करना होगा तभी पार्टी आगे बढ़ेगी। लोकसभा चुनाव का जिक्र कर कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने दावा किया कि अजय राय ने प्रधानमंत्री मोदी से टक्कर ली थी और वह थोड़े से चूक गए,



नहीं तब मौजूदा प्रधानमंत्री गुजरात जाकर बैठते।

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष खरगेसंविधान बचाओ मार्च में शामिल होने लखनऊ पहुंचे थे, हालांकि लखनऊ प्रशासन ने मार्च की अनुमति नहीं दी थी। खड़गे के जाने के बाद कार्यकर्ताओं ने मार्च निकाला, लेकिन पार्टी कार्यालय से करीब 150 मीटर आगे बढ़ने पर पुलिस ने उन्हें रोक दिया। पुलिस ने पहले से ही थ्री-लेयर बैरिकेडिंग लगा रखी थी। लगभग 40 मिनट तक कांग्रेसियों ने आगे बढ़ने की कोशिश की, लेकिन सफल नहीं हो पाए। इसके बाद पुलिस ने मार्च में शामिल प्रदेश प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम, प्रदेश अध्यक्ष आराधना मिश्रा, कार्यकारी अध्यक्ष इमरान मसूद सहित कई वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया। उन्हें इको गार्डन ले जाकर बाद में छोड़ दिया गया।

इस घटना पर प्रतिक्रिया देकर कांग्रेस नेता अजय राय ने योगी सरकार पर तानाशाही का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि संविधान दिवस के दिन सरकार संविधान को कुचलने का काम कर रही है, जो दर्शाता है कि ये लोग संविधान को मानने वाले नहीं हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का हर कार्यकर्ता संविधान बचाने के लिए सड़क पर उतरा है। कांग्रेस नेता राय ने ओवैसी और चंद्रशेखर की रैलियों को भारतीय जनता पार्टी प्रायोजित बताया।

आज का इतिहास

- 1001: हिंदू शासक जयपाल को आक्रमणकारी महमूद गजनी ने हराया।
- 1095: पोप अर्बन द्वितीय ने पहले क्रूसेड (धर्मयुद्ध) का उपदेश दिया।
- 1795: पहले बांग्ला नाटक का मंचन हुआ।
- 1807: पुर्तगाल के शाही परिवार ने नेपोलियन की सेना के भय से लिस्बन छोड़ा।
- 1815: पोलैंड साम्राज्य ने संविधान अपनाया।
- 1895: अल्फ्रेड नोबेल ने नोबेल पुरस्कार की स्थापना की।
- 1907: प्रसिद्ध कवि और लेखक हरिवंश राय बच्चन का जन्म।
- 1912: अल्बानिया ने राष्ट्रीय ध्वज अपनाया।

हिंद महासागर देशों के बीच साझा समुद्री संबंधों पर जोर

एनएसए डोभाल ने भारत कोलंबो सुरक्षा सम्मेलन को किया संबोधित

● माले

हिंद महासागर में चीन की बढ़ती दखलअंदाजी, गंभीर सुरक्षा चुनौतियों के बीच भारत ने अपने पड़ोसी देशों को साथ लेकर चलने का भरोसा दिया है। एनएसए अजीत डोभाल ने कहा कि भारत कोलंबो सुरक्षा सम्मेलन के सदस्य देशों के साथ मिलकर हिंद महासागर क्षेत्र की सुरक्षा मजबूत करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। भारत हर जरूरी मदद और सहायता देने की कोशिश करेगा। उन्होंने भरोसा दिलाया कि साझा लक्ष्यों को पूरा करने के लिए भारत हर जरूरी मदद देने की कोशिश करेगा।



चीन की गतिविधियों के बीच अहम बैठक

हिंद-प्रशांत और हिंद महासागर क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव और उसकी आक्रामक गतिविधियों को लेकर भारत समेत कई देश चिंतित हैं। ऐसे में डोभाल ने समुद्री सुरक्षा, क्षेत्रीय स्थिरता और आर्थिक तरक्की के लिए आपसी सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हिंद महासागर के तटीय देश एक ही समुद्री क्षेत्र साझा करते हैं साथ ही इन देशों की सभ्यताएं भी एक दूसरे से जुड़ी हैं।

मोगा रैली: केजरीवाल ने मान के नाम पर मांगे वोट, कांग्रेस-बीजेपी पर साधा निशाना

मोगा, एजेंसी। पंजाब में विधानसभा चुनाव से पहले, आम आदमी पार्टी (आप) ने मोगा में अपने स्थापना दिवस पर खुशहाल पंजाब-महारैली का आयोजन किया। इस दौरान आप संयोजक और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मुख्यमंत्री भगवंत मान के कर कहा कि दिल्ली में भी केंद्र ने उनकी सरकारी स्कीमें बंद की थीं। उन्होंने लोगों से मान को दोबारा मुख्यमंत्री बनाने की अपील की ताकि ये योजनाएं जारी रह सकें। एक हजार रुपये की योजना में देरी पर उन्होंने पिछली सरकारों पर खजाना खाली करने का आरोप लगाया।



भीलवाड़ा में अवैध नीम-हकीमों और झोलाछाप चिकित्सकों के खिलाफ 15 दिवसीय विशेष अभियान शुरू

जिला कलेक्टर के निर्देश पर उपखंड स्तर पर गठित की गयी संयुक्त टीमें

अवैध चिकित्सा गतिविधियों पर होगी सख्त कानूनी कार्रवाई

चिकित्सा विभाग ने सभी ब्लॉक मुख्य चिकित्सा अधिकारियों को दिए निर्देश

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा । जिले में अवैध रूप से संचालित नीम-हकीमों, झोलाछाप चिकित्सकों एवं अपंजीकृत क्लीनिकों के विरुद्ध जिला प्रशासन अब सख्त हो गया है। जिला कलेक्टर श्री जसमीत सिंह संधू के निर्देशानुसार जिले में आगामी 15 दिनों तक विशेष अभियान चलाकर ऐसे लोगों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई की जाएगी, जो बिना वैध पंजीकरण एवं निर्धारित योग्यता के मरीजों का उपचार कर रहे हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. चेतेन्द्र पुरी गोस्वामी ने बताया कि जिला कलेक्टर के निर्देशों की पालना में जिले के समस्त खंड मुख्य चिकित्सा अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्र में विशेष अभियान चलाकर अवैध रूप से संचालित चिकित्सा प्रतिष्ठानों एवं झोलाछाप चिकित्सकों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए टीमें गठित-

अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए उपखंड अधिकारी, पुलिस विभाग, तहसीलदार एवं औषधि नियंत्रण अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर संयुक्त टीमें गठित की जाएंगी। जिला कलेक्टर द्वारा जारी आदेश के अनुसार प्रत्येक उपखंड क्षेत्र में सात सदस्यीय समिति गठित की गई है, जिसमें उपखंड अधिकारी, तहसीलदार, पुलिस उप अधीक्षक/वृत्ताधिकारी, उप मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, संबंधित ब्लॉक मुख्य चिकित्सा अधिकारी/चिकित्सा अधिकारी प्रभारी संबंधित क्षेत्र, आयुर्वेद विभाग के प्रतिनिधि तथा औषधि नियंत्रण अधिकारी शामिल होंगे। सीएमएचओ डॉ. गोस्वामी ने बताया कि बिना पंजीकरण आधुनिक चिकित्सा पद्धति से उपचार करते पाए जाने वालों के विरुद्ध संबंधित पुलिस थाने में एफआईआर दर्ज करवाई जाएगी। इसी प्रकार बिना पंजीकरण आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति से उपचार करने वालों के विरुद्ध भी एफआईआर दर्ज करवाने तथा औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 के तहत औषधियों को स्टॉक जब्त कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। अभियान के दौरान राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग अधिनियम, 2019 की धारा 34, राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा पद्धति आयोग अधिनियम 2020 की धारा 34 सहित अन्य लागू वैधानिक प्रावधानों के तहत कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

टूटा नाला बना हादसे का खतरा, पंचायत की अनदेखी से ग्रामीण परेशान

अंतिम संस्कार में पहुंचे गोविंद सिंह का पैर खड्डे में गिरा, बाल-बाल बचे; कई दिनों से मरम्मत का इंतजार

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा जिले के गंगापुर सहाड़ा/चीड़खेड़ा। ग्राम पंचायत चीड़खेड़ा में श्मशान भूमि के पास टूटा पड़ा नाला अब राहगीरों के लिए परेशानी और खतरे का कारण बन गया है। कई दिनों से नाले की मरम्मत नहीं होने से ग्रामीणों में नाराजगी है।



चीड़खेड़ा से कृत्तिया स्थित शिव भोलेनाथ मंदिर जाने वाले मार्ग पर स्थित इस नाले से प्रतिदिन ग्रामीणों का आवागमन रहता है। वहीं श्मशान घाट पर अंतिम संस्कार में शामिल होने आने वाले लोगों को भी इसी रास्ते से गुजरना पड़ता है। टूटे नाले के कारण रास्ते से गुजरने वाले लोगों को हादसे का डर बना रहता है। खासकर रात के अंधेरे में खड्डा दिखाई नहीं देने से दुर्घटना होने की आशंका है। खुले नाले में छोटे जीव-जंतुओं के गिरने का खतरा भी बना हुआ है।

अंतिम संस्कार के दौरान हुआ हादसा

श्मशान घाट पर अंतिम संस्कार के लिए पहुंचे गोविंद सिंह का पैर अचानक टूटे नाले के खड्डे में जा गिरा। गनीमत रही कि वे गंभीर चोट से बच गए। इस घटना ने रास्ते की बदहाल स्थिति और सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोल दी है।

ग्रामीणों ने जताई नाराजगी

ग्रामीणों का कहना है कि श्मशान घाट जैसे महत्वपूर्ण स्थान के रास्ते पर कई दिनों से नाला टूटा पड़ा है, लेकिन ग्राम पंचायत की ओर से अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई। ग्रामीणों ने ग्राम पंचायत चीड़खेड़ा एवं संबंधित प्रशासन से नाले की तत्काल मरम्मत करवाने और सुरक्षा के इंतजाम करने की मांग की है। अब सवाल यह है कि जिम्मेदार इस समस्या का समाधान कब करेंगे? क्या पंचायत किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रही है?

बिजोलिया में संविधान दिवस पर अंबेडकर मंच की बैठक आयोजित, 6 दिसंबर को रक्तदान शिविर की तैयारियों पर हुई चर्चा

स्मार्ट हलचल

बिजौलियाँ । 26 नवंबर संविधान दिवस के अवसर पर अंबेडकर विचार मंच ब्लॉक बिजोलिया संविधान दिवस मनाया गया के तत्वावधान में मीणा छात्रावास में बैठक आयोजित की गई। बैठक की शुरुआत बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धापूर्वक नमन करने के साथ हुई। इस दौरान मुख्य वक्ता किशन कुमार खटीक ने बाबा साहब के विचारों, आदर्शों एवं संविधान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए शिक्षा, समानता, सामाजिक न्याय और भाईचारे का संदेश दिया तथा समाज को जागरूक रहने का आह्वान किया। बैठक में आगामी 6 दिसंबर को बाबा साहब के महापरिनिर्वाण दिवस पर छठवीं बार आयोजित होने वाले रक्तदान शिविर की तैयारियों एवं कार्यक्रम की रूपरेखा पर भी विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में उपस्थितः रतिराम मीणा, रतन भील, किशन कुमार खटीक, प्रकाश चंद मीणा, मुकेश कुमार खटीक, विजयपाल रेगर, किशन कुमार खटीक, मुकेश कुमार रेगर, राजू लाल बंजारा, सत्यनारायण मेघवाल, अधिवक्ता दीपक मीणा, धनराज मीणा, मनराज मीणा, जगदीश चंद्र मीणा, सुनील भाट, राहुल, विशाल, अंकित एवं पंकज सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।



टोंक जिला परिषद में उप जिला प्रमुख पद पर आशाराम नागर निर्वाचित,कांग्रेस ने 31 में से 26 मत प्राप्त कर दर्ज की जीत-भाजपा प्रत्याशी को मिले सिर्फ 5 मत

स्मार्ट हलचल

टोंक। जिला परिषद टोंक में उप जिला प्रमुख पद के निर्वाचन की प्रक्रिया गुरुवार, 26 नवंबर 2026 को संपन्न हुई। निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलेक्टर टीना डाबी द्वारा जारी आधिकारिक निर्वाचन परिणाम के अनुसार कांग्रेस प्रत्याशी आशाराम नागर उप जिला प्रमुख पद पर निर्वाचित घोषित किए गए हैं। जारी निर्वाचन परिणाम के मुताबिक कांग्रेस प्रत्याशी आशाराम नागर को कुल 26 मत प्राप्त हुए, जबकि भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी गणेश राम को 5 मत मिले। इस प्रकार कुल 31 मत डाले गए। खास बात यह रही कि निर्वाचन में एक भी मत निरस्त नहीं हुआ तथा नोटा के पक्ष में भी कोई मत नहीं पड़ा।



निर्वाचन परिणाम की आधिकारिक घोषणा के साथ ही आशाराम नागर के जिला परिषद उप जिला प्रमुख निर्वाचित होने की पुष्टि हो गई। उनके निर्वाचित होने की सूचना के बाद समर्थकों एवं शुभचिंतकों में खुशी का माहौल रहा। बधाई देने वालों का तांता लगा रहा तथा लोगों ने उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं।

जिला निर्वाचन अधिकारी के निर्देशानुसार प्रधान एवं उप प्रधान के निर्वाचन के लिये समय सारणी एवं मतदान स्थलों का निर्धारण

जिले की 16 पंचायत समितियों में प्रधान पद के लिये 27 एवं उप प्रधान पद के लिये 28 नवंबर को होंगे निर्वाचन

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। पंचायती राज संस्थाओं के अंतर्गत जिले की पंचायत समितियों में प्रधान एवं उप प्रधान के निर्वाचन के लिये राज्य निर्वाचन आयोग एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री जसमीत सिंह संधू के निर्देशानुसार निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार समय सारणी एवं मतदान स्थलों का निर्धारण किया गया है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार प्रधान पद के लिए निर्वाचन 27 नवंबर, शुक्रवार को तथा उप प्रधान पद के लिए निर्वाचन 28 नवंबर, शनिवार को होगा। दोनों दिवसों पर बैठक प्रातः 10 बजे से प्रारंभ होगी। निर्वाचन के लिए जिले की पंचायत समितियों में अलग-अलग स्थान निर्धारित किए गए हैं। खजूरी पंचायत समिति के लिए उप तहसील खजूरी, शम्भूगढ़ के लिए उप तहसील शम्भूगढ़, फुलियाकलां के लिए उपखण्ड कार्यालय फुलियाकलां, बिजौलियां के लिए पंचायत समिति कार्यालय बिजौलियां, जहाजपुर के लिए पंचायत समिति कार्यालय जहाजपुर, कोटड़ी के लिए पंचायत समिति कार्यालय कोटड़ी, मांडलगढ़ के लिए पंचायत समिति कार्यालय मांडलगढ़, बनेड़ा के लिए पंचायत समिति कार्यालय बनेड़ा, करेड़ा के लिए पंचायत समिति कार्यालय करेड़ा, मांडल के लिए पंचायत समिति कार्यालय मांडल, सुवाणा के लिए पंचायत समिति कार्यालय सुवाणा, रायपुर के लिए पंचायत समिति कार्यालय रायपुर, सहाड़ा के लिए पंचायत समिति कार्यालय सहाड़ा, शाहपुरा के लिए पंचायत समिति कार्यालय शाहपुरा, आसीन्द के लिए पंचायत समिति कार्यालय आसीन्द तथा हुरड़ा के लिए पंचायत समिति कार्यालय हुरड़ा को चिन्हित किया गया है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार नाम निर्देशन-पत्र प्रस्तुत करने का समय पूर्वाह्न 11 बजे तक रहेगा। नाम निर्देशन-पत्रों की संवीक्षा पूर्वाह्न 11.30 बजे से होगी तथा नाम निर्देशन-पत्र वापस लेने का समय अपराह्न 1 बजे तक निर्धारित किया गया है। यदि आवश्यक हुआ तो मतदान अपराह्न 3 बजे से 5 बजे के मध्य कराया जाएगा। निर्वाचन की संपूर्ण प्रक्रिया संबंधित निर्धारित स्थलों पर रिटर्निंग अधिकारियों की देखरेख में संपन्न होगी।

संविधान देश की एकता, अखंडता और समानता का आधार : डॉ. मीणा...

शाहपुरा राजकीय महाविद्यालय में संविधान दिवस पर आयोजन, विद्यार्थियों ने भाषणों से जगाई संवैधानिक मूल्यों की अलख

शाहपुरा भारतीय संविधान केवल कानूनों का दस्तावेज नहीं, बल्कि देश की एकता, अखंडता, समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व की मजबूत नींव है। संविधान ने प्रत्येक नागरिक को अधिकारों के साथ कर्तव्यों का बोध भी कराया है। हमें संविधान की गरिमा बनाए रखते हुए उसके मूल्यों को अपने जीवन में आत्मसात करना चाहिए। यह विचार श्री प्रताप सिंह बारहठ राजकीय महाविद्यालय, शाहपुरा में बुधवार को संविधान दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. पुष्कर राज मीणा ने व्यक्त किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए डॉ. मीणा ने कहा कि भारतीय संविधान लोकतांत्रिक व्यवस्था की आत्मा है। इसकी मूल भावना को समझना और उसका सम्मान करना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। उन्होंने विद्यार्थियों से संविधान में निहित आदर्शों को व्यवहार में अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता वरिष्ठ संकाय सदस्य प्रो. मूलचन्द खटीक ने संविधान निर्माण की ऐतिहासिक प्रक्रिया, इसके मूल्यों और आदर्शों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों को संविधान की विशेषताओं से अवगत कराते हुए कहा कि संविधान ने भारत को एक लोकतांत्रिक गणराज्य के रूप में मजबूत पहचान दी है। उन्होंने सभी से संवैधानिक कर्तव्यों का पालन करने तथा संविधान की गरिमा बनाए रखने की अपील की।



भाषणों से गूंजे संवैधानिक मूल्यों के संदेश

संविधान दिवस के अवसर पर एनसीसी कैडेट्स एवं छात्रा लक्ष्मी कलाल ने ओजस्वी भाषण प्रस्तुत कर संविधान के महत्व और नागरिकों की जिम्मेदारियों पर विचार रखे। छात्रा डाली कुम्हार ने सरस्वती वंदना एवं वंदे मातरम् का वाचन कर कार्यक्रम को सांस्कृतिक गरिमा प्रदान की। कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के प्रभारी अधिकारी प्रो. दिग्विजय सिंह एवं प्रो. अंकित मीणा के संयोजन में किया गया। इस दौरान महाविद्यालय के संकाय सदस्य प्रो. प्रियंका ढाका, डॉ. दलवीर सिंह, प्रो. मुकेश कुमार मीणा, प्रो. दिनेश चौधरी, प्रो. रवि जैन, प्रो. अतुल कुमार जैन, प्रो. अखिलेश सिंह राजपुरोहित, प्रो. भगवती महावर एवं प्रो. अतुल कुमार जोशी सहित विद्यार्थी और स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

प्रस्तावना वाचन के साथ दिलाई मतदाता जागरूकता शपथ

कार्यक्रम के अंतिम चरण में भारतीय संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन किया गया। इसके साथ ही उपस्थित विद्यार्थियों एवं प्रतिभागियों को मतदाता जागरूकता की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगीत वंदे मातरम् के सामूहिक गायन के साथ हुआ।

उनियारा में साइबर ठगी और चोरी की दो वारदातें

लिंक क्लिक करते ही खाते से 83 हजार 500 रुपए पार-दुकान के गल्ले से 41 हजार रुपए लेकर फरार हुए दो युवक

स्मार्ट हलचल

टोंक/उनियारा। उनियारा उपखंड मुख्यालय कस्बा उनियारा में बुधवार को साइबर ठगी और चोरी की दो अलग-अलग घटनाएं सामने आई हैं। पहली घटना में मोबाइल पर आए संदिग्ध लिंक को क्लिक करना एक व्यक्ति को भारी पड़ गया। मोबाइल हैंग होने के कुछ देर बाद बैंक खाते से 83 हजार 500 रुपए निकल गए। वहीं दूसरी घटना में आटा खरीदने के बहाने दुकान पर पहुंचे दो युवक गल्ले से 41 हजार रुपए चोरी कर फरार हो गए। दोनों युवक दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गए हैं। पीड़ितों से मिली जानकारी के अनुसार पहली घटना में श्याम सोनी पुत्र नवल किशोर के मोबाइल पर एक लिंक आया था। उन्होंने जैसे ही लिंक पर क्लिक किया, उनका मोबाइल हैंग हो गया। कुछ देर बाद बैंक खाते की जांच करने पर खाते से 83 हजार 500 रुपए निकाले जाने का पता चला। अचानक हुई इस साइबर ठगी से पीड़ित को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा। वहीं दूसरी घटना नैनवां मार्ग स्थित इंद्र कुमार जैन की दुकान पर हुई। यहां आटा खरीदने के बहाने दो युवक दुकान पर पहुंचे। दुकानदार के अंदर जाते ही मौका पाकर दोनों युवकों ने गल्ले में रखे 41 हजार रुपए निकाल लिए और मौके से फरार हो गए। घटना दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई, जिसमें दोनों युवक दिखाई दे रहे हैं। दोनों घटनाओं के पीड़ितों ने पुलिस को शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की है। कस्बे में लगातार सामने आ रही ऐसी घटनाओं से व्यापारियों एवं आमजन में चिंता का माहौल है।



15 वोटों से जीतीं उप जिला प्रमुख सुनीता कौशिक, क्रॉस वोटिंग ने बढ़ाई सियासी हलचल



कांग्रेस के 31 में से 30 सदस्यों ने किया मतदान, भाजपा प्रत्याशी अविनाश जीनगर को मिले 15 वोट, एक वोट को लेकर सियासी गलियारों में चर्चाएं तेज

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। जिला परिषद की राजनीति में जिला प्रमुख पद पर जीत के बाद कांग्रेस ने उप जिला प्रमुख की कुर्सी भी अपने नाम कर ली। गुरुवार को हुए चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी सुनीता देवी कौशिक ने भाजपा के अविनाश जीनगर को 15 मतों के अंतर से शिकस्त देकर उप जिला प्रमुख की कुर्सी पर कब्जा जमा लिया। सुनीता कौशिक को 30 वोट मिले, जबकि भाजपा प्रत्याशी अविनाश जीनगर के खाते में 15 वोट आए। हालांकि, मतदान के दौरान क्रॉस वोटिंग के संकेतों ने सियासी समीकरणों को भी चर्चा में ला दिया। उप जिला प्रमुख पद के चुनाव को लेकर गुरुवार सुबह से ही जिला कलेक्ट्रेट परिसर में राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई थीं। चुनाव प्रक्रिया को देखते हुए कलेक्ट्रेट परिसर और आसपास पुलिस का कड़ा बंदोबस्त किया गया था। मतगणना के बाद जारी परिणाम में सुनीता कौशिक को उप जिला प्रमुख पद पर विजयी घोषित किया गया। मतदान के बाद हुई मतगणना में कांग्रेस प्रत्याशी सुनीता कौशिक को 30 मत मिले। कांग्रेस के निर्वाचित 31 सदस्यों में से 30 ने उनके पक्ष में मतदान किया। वहीं भाजपा प्रत्याशी अविनाश जीनगर को 15 वोट मिले। परिणाम सामने आते ही क्रॉस वोटिंग को लेकर चर्चाएं तेज हो गईं। सुनीता कौशिक की जीत के साथ ही जिला परिषद में उप जिला प्रमुख पद पर कांग्रेस का कब्जा हो गया। जीत की घोषणा के बाद कांग्रेस समर्थकों में उत्साह छा गया और समर्थकों ने खुशी जताई।

हिंदुस्तान जिंक और आईआईटी मद्रास ने जिंक-एयर बैटरी तकनीक में हासिल की बड़ी सफलता...

इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर में 1 किलोवॉट जिंक-एयर बैटरी को रेंज एक्सटेंडर के रूप में किया एकीकृत, ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में बड़ा कदम...

स्मार्ट हलचल

चेन्नई/उदयपुर। देश में स्वदेशी और टिकाऊ ऊर्जा भंडारण तकनीक विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड और आईआईटी मद्रास ने संयुक्त रूप से एक ऐसे इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर प्रोटोटाइप का अनावरण किया है, जिसमें लगभग 1 किलोवॉट क्षमता की जिंक-एयर बैटरी को रेंज एक्सटेंडर के रूप में सफलतापूर्वक एकीकृत किया गया है। इस उपलब्धि को इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर माना जा रहा है। इस प्रोटोटाइप का अनावरण हाल ही में आयोजित आईआईटी मद्रास एनर्जी समिट-2026 में किया गया। यह परियोजना हिंदुस्तान जिंक और आईआईटी मद्रास के बीच वर्ष 2024 से चल रहे अनुसंधान सहयोग का परिणाम है, जिसने अब प्रयोगशाला अनुसंधान से आगे बढ़कर वास्तविक वाहन प्रदर्शन तक का सफर तय कर लिया है। कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद प्रवीण चक्रवर्ती, हिंदुस्तान जिंक के सीईओ एवं पूर्णकालिक निदेशक अमरेंदु प्रकाश, आईआईटी मद्रास के डीन (आईसीएसआर) प्रो. मनु संथानम तथा परियोजना प्रमुख डॉ. अरविंद कुमार चंदिरन सहित कई गणमान्य अतिथि मौजूद रहे।

दोहरी बैटरी तकनीक पर आधारित है वाहन

यह इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर दोहरी बैटरी व्यवस्था पर कार्य करता है। वाहन में लगी लिथियम-आयन बैटरी अधिक ऊर्जा और गति की आवश्यकता को पूरा करती है, जबकि जिंक-एयर बैटरी लगातार अतिरिक्त ऊर्जा प्रदान कर वाहन की रेंज बढ़ाने में मदद करती है। जिंक-एयर बैटरी कुल ऊर्जा आवश्यकता का लगभग 10 प्रतिशत योगदान देती है। विशेषज्ञों का मानना है कि जिंक-आधारित ऊर्जा भंडारण तकनीक भविष्य में इलेक्ट्रिक वाहनों की लागत कम करने और उनकी सुरक्षा बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

भारत के प्रचुर जिंक संसाधनों का मिलेगा लाभ

हिंदुस्तान जिंक के सीईओ एवं पूर्णकालिक निदेशक अमरेंदु प्रकाश ने कहा कि कंपनी जिंक के नए उपयोगों की लगातार खोज कर रही है ताकि इस बहुउपयोगी धातु से अधिक मूल्य सृजित किया जा सके।

उन्होंने कहा, 'भारत में जिंक की प्रचुर उपलब्धता स्वदेशी ऊर्जा भंडारण समाधान विकसित करने का बड़ा अवसर प्रदान करती है। आईआईटी मद्रास के साथ हमारा सहयोग वैज्ञानिक अनुसंधान को व्यावहारिक समाधान में बदलने और विकसित भारत के लक्ष्य को सहयोग देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।'

क्यों खास है जिंक-एयर बैटरी?

जिंक-एयर बैटरी जिंक और वातावरण में उपलब्ध ऑक्सीजन की सहायता से बिजली उत्पन्न करती है। इसमें पानी आधारित एवं गैर-ज्वलनशील इलेक्ट्रोलाइट का उपयोग होता है, जिससे यह पारंपरिक बैटरियों की तुलना में अधिक सुरक्षित मानी जाती है। इसके अलावा जिंक आसानी से उपलब्ध, पुनर्चक्रण योग्य और अपेक्षाकृत कम लागत वाली धातु है। यही कारण है कि इसे भविष्य की ऊर्जा भंडारण तकनीकों के लिए एक मजबूत विकल्प माना जा रहा है।

आईआईटी मद्रास ने बताया ऊर्जा क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण पहल

आईआईटी मद्रास के निदेशक प्रो. वी. कामकोटी ने इस उपलब्धि पर शोध टीम को बधाई देते हुए कहा कि ऊर्जा आज आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, कृषि और उन्नत विनिर्माण सहित हर क्षेत्र की जरूरत बन चुकी है।

उन्होंने कहा कि विभिन्न स्रोतों, विशेषकर नवीकरणीय ऊर्जा के उत्पादन, भंडारण और वितरण के लिए नए समाधान विकसित करना समय की आवश्यकता है और हिंदुस्तान जिंक के साथ यह साझेदारी उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

ससस स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन में जिंक की बढ़ेगी भूमिका

हिंदुस्तान जिंक अपनी एचजेडएल 2.0 रणनीति के तहत जिंक-आधारित बैटरी तकनीकों, नवीकरणीय ऊर्जा भंडारण और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के क्षेत्र में लगातार अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा दे रही है। कंपनी का लक्ष्य जिंक की उपयोगिता का विस्तार करते हुए वैश्विक स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन में इसकी भूमिका को और मजबूत बनाना है।

भामाशाह ने विद्यार्थियों को भेंट किए जूते, खिले बच्चों के चेहरे

विद्यालय परिवार ने जताया आभार

स्मार्ट हलचल

लाखेरी - उपखंड क्षेत्र के जाड़ला गांव के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय में सवाई माधोपुर निवासी भामाशाह मंगतसिंह की ओर से विद्यार्थियों को जूते वितरित किए गए। जूते पाकर विद्यार्थियों के चेहरे खिल उठे। भामाशाह की इस पहल की विद्यालय परिवार ने सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में गोरीशंकर, विद्यालय एसएमसी अध्यक्ष भैरव प्रकाश, पूर्व एसएमसी अध्यक्ष गोपी लाल, प्रधानाध्यापक राजेश कुमार मीणा सहित विद्यालय स्टाफ के अध्यापक मौजूद रहे। विद्यालय परिवार ने कहा कि भामाशाहों का इस प्रकार का सहयोग विद्यार्थियों के लिए प्रोत्साहनकारी है।

फुटबॉल के मैदान में पहुंचे नगर पालिका उपाध्यक्ष डॉ. इशाक, 50 खिलाड़ियों का बढ़ाया उत्साह

ईदगाह मैदान में चल रहे प्रशिक्षण शिविर में मैत्री मुकाबला, युवाओं को दिया नशामुक्ति और अनुशासन का संदेश

स्मार्ट हलचल

शाहपुरा। मैदान में दौड़ते युवा खिलाड़ी, फुटबॉल के पीछे लक्ष्य साधते कदम और खेल के प्रति जुनून...। ईदगाह मैदान में इन दिनों फुटबॉल का प्रशिक्षण ले रहे करीब 50 खिलाड़ियों का उत्साह उस समय और बढ़ गया, जब नगर पालिका उपाध्यक्ष एवं राष्ट्रीय बियर्ड चैंपियन डॉ. मोहम्मद इशाक खिलाड़ियों के बीच पहुंचे। उन्होंने न केवल प्रशिक्षु खिलाड़ियों से मुलाकात की, बल्कि उनके साथ समय बिताकर खेल के प्रति समर्पण, अनुशासन और नशामुक्त जीवन का संदेश भी दिया। स्थानीय ईदगाह मैदान पर संचालित फुटबॉल प्रशिक्षण शिविर के दौरान डॉ. मोहम्मद इशाक ने खिलाड़ियों से



शिष्टाचार भेंट कर उनका हौसला बढ़ाया। इस दौरान शारीरिक शिक्षक एवं फुटबॉल कोच हबीब खान तथा सेवानिवृत्त एएसआई चिराग खान नेताजी भी मौजूद रहे।

परिचय के बाद मैदान में उतरीं दो टीमें

शिविर के दौरे को खिलाड़ियों के लिए यादगार बनाने के उद्देश्य से प्रशिक्षुओं को दो टीमों में विभाजित कर मैत्रीपूर्ण फुटबॉल मुकाबला आयोजित किया गया। मैच शुरू होने से पहले अतिथियों ने प्रिंसिपल सैयद सदाकत अली के साथ सभी खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। उन्होंने खिलाड़ियों को फुटबॉल खेल की बारीकियों और बेहतर प्रदर्शन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। अतिथियों ने कहा कि खेल केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण की पाठशाला भी है। खेलों से युवाओं का शारीरिक और मानसिक विकास होता है तथा उनमें टीम भावना, आत्मविश्वास और अनुशासन जैसे गुण विकसित होते हैं।

व्यसन मुक्त जीवन ही स्वस्थ जीवन

खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए डॉ. इशाक एवं अन्य अतिथियों ने युवाओं से नशे से दूर रहने और खेलों को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि अनुशासन केवल खेल के मैदान तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि निजी जीवन में भी इसका पालन जरूरी है। उन्होंने युवाओं से नियमित शारीरिक अभ्यास करने, खेल गतिविधियों से जुड़ने और अपने साथियों को भी इसके लिए प्रेरित करने की अपील की। उनका संदेश स्पष्ट था कि स्वस्थ शरीर और सकारात्मक सोच के लिए नशे से दूरी तथा खेलों से जुड़ाव जरूरी है।

समाजसेवी ने एक घंटे तक निशुल्क संवारी मैदान की सूरत

कार्यक्रम में एसडीपीआई पार्षद यूसुफ सिलावट, मानवाधिकार कार्यकर्ता शब्बीर आजाद, एडवोकेट ताज मोहम्मद, एनआरआई सत्तार खान, पूर्व खिलाड़ी बाबू खांजी, अध्यापक रफीक रंगरेज सहित कई वरिष्ठजन, प्रशिक्षित फुटबॉल खिलाड़ी और कोच उपस्थित रहे। कार्यक्रम का एक खास पहलू समाजसेवी सलीम खान की पहल भी रही। समारोह के बाद उन्होंने अपने ट्रैक्टर से करीब एक घंटे तक फुटबॉल मैदान की ड्रेसिंग कर उसे समतल और व्यवस्थित किया। उन्होंने यह कार्य पूरी तरह निशुल्क किया। शिविर व्यवस्थापकों ने सलीम खान की इस सेवा भावना की सराहना करते हुए उनका विशेष आभार जताया। अंत में सभी अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया गया। ईदगाह मैदान में चल रहा यह प्रशिक्षण शिविर खेल प्रतिभाओं को निखारने के साथ युवाओं को स्वस्थ जीवनशैली और सामाजिक जिम्मेदारी से जोड़ने की दिशा में भी महत्वपूर्ण पहल बन रहा है।

नवगठित ग्राम पंचायत जगतपुरा की पहली सरपंच रमेशी देवी मीणा ने संभाला पदभार,

छौरिया निवासी रमेशी देवी शिवपाल मीणा के सरपंच बनने पर ग्रामीणों में खुशी की लहर, विकास कार्यों को गति मिलने की जगी उम्मीद

स्मार्ट हलचल



टोंक। निवाई पंचायत समिति क्षेत्र की नवगठित ग्राम पंचायत जगतपुरा को पहली सरपंच के रूप में रमेशी देवी शिवपाल मीणा (निवासी छौरिया) मिली हैं। उन्होंने जीत के बाद सरपंच पद की जिम्मेदारी संभालकर पंचायत के नेतृत्व की कमान अपने हाथों में ली। उनके सरपंच बनने पर गांव में खुशी का माहौल रहा। ग्रामीणों, समर्थकों एवं शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए सफल कार्यकाल की कामना की। इस अवसर पर ग्रामीणों ने उम्मीद जताई कि उनके नेतृत्व में ग्राम पंचायत जगतपुरा में विकास कार्यों को नई गति मिलेगी तथा सड़क, पेयजल, बिजली सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं का विस्तार होगा। नवगठित ग्राम पंचायत की पहली सरपंच के रूप में रमेशी देवी मीणा के नेतृत्व को लेकर ग्रामीणों में खासा उत्साह है। लोगों को उम्मीद है कि पंचायत क्षेत्र की समस्याओं का प्राथमिकता से समाधान होगा और गांव के विकास को नई दिशा मिलेगी।

कँवलियास में कल से जुटेंगे जिले के दिग्गज हैंडबॉल खिलाड़ी, राज्य स्तरीय टीम का होगा चयन

49 वीं जिला स्तरीय सीनियर पुरुष व महिला प्रतियोगिता 28 व 29 नवंबर को...

बिना RSHA पिन' नहीं मिलेगी एंट्री, 27 नवंबर शाम 6 बजे तक कराएं टीम का पंजीयन

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। जिले के हैंडबॉल खिलाड़ियों के लिए अपनी प्रतिभा दिखाने और राज्य स्तर पर जिले का प्रतिनिधित्व करने का सुनहरा अवसर आ गया है। जिला हैंडबॉल संघ, भीलवाड़ा के तत्वावधान में 49वीं जिला स्तरीय सीनियर हैंडबॉल (पुरुष एवं महिला) प्रतियोगिता का भव्य आयोजन 28 व 29 नवंबर 2026 को कँवलियास (हुरड़ा) स्थित खेल मैदान में किया जाएगा।

श्री महावीर जी (करौली) में होने वाली राज्य स्पर्धा का मिलेगा टिकट

संघ के सचिव तेजप्रताप सिंह ने बताया कि 28 नवंबर (शनिवार) से शुरू होने वाले इस दो दिवसीय खेल महाकुंभ में जिले भर की सीनियर पुरुष और महिला टीमें अपना दमखम दिखाएंगी। प्रतियोगिता के दौरान चयनकर्ताओं की नजर खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर रहेगी। यहाँ से चयनित सर्वश्रेष्ठ पुरुष एवं महिला टीमें आगामी 8 से 11 दिसंबर तक श्री महावीर जी (करौली) में आयोजित होने वाली 49वीं राज्य स्तरीय सीनियर हैंडबॉल प्रतियोगिता में भीलवाड़ा का प्रतिनिधित्व करेंगी।

खिलाड़ियों के लिए ऑनलाइन पंजीकरण अनिवार्य

संघ अध्यक्ष कुलदीप शर्मा ने स्पष्ट किया है कि नियमों के तहत प्रतियोगिता में केवल उन्हीं खिलाड़ियों को प्रवेश दिया जाएगा, जिनका राजस्थान राज्य हैंडबॉल संघ (RSHA) की आधिकारिक वेबसाइट पर पंजीकरण है। प्रत्येक खिलाड़ी के पास 'आरएसएचए पिन नंबर' (RSHA PIN) होना अनिवार्य है। जिन खिलाड़ियों ने अभी तक पंजीकरण नहीं कराया है, वे वेबसाइट rajasthan handball. com पर लॉगिन कर अपना रजिस्ट्रेशन तुरंत पूरा कर सकते हैं।

27 नवंबर शाम 6 बजे तक कराएं टीम एंट्री

आयोजन समिति के अनुसार, प्रतियोगिता में भाग लेने की इच्छुक टीमों को 27 नवंबर (शुक्रवार) को सायं 6:00 बजे से पूर्व अपनी प्रविष्टि (एंट्री) दर्ज करवानी होगी। टीमें अपना पंजीयन आयोजन सचिव ओमप्रकाश नायक (मोबाइल: 9950386371) के पास करवा सकती हैं।

हाईकोर्ट के आदेश की पालना को लेकर जिला कलेक्टर सख्त-उनियारा एसडीएम को 7 दिन में पालना रिपोर्ट पेश करने के निर्देश,

अतिक्रमण हटवाने की मांग पर जिला कलेक्टर कार्यालय ने उपखंड अधिकारी को भेजा पत्र-मामले को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश

स्मार्ट हलचल



टोंक/उनियारा। उनियारा उपखंड मुख्यालय कस्बा उनियारा में एसडीएम कार्यालय के समीप कॉलोनी में अतिक्रमण हटवाने से जुड़े मामले में राजस्थान उच्च न्यायालय, जयपुर के आदेश की पालना को लेकर जिला प्रशासन सक्रिय हो गया है। जिला कलेक्टर कार्यालय टोंक की ओर से उपखंड अधिकारी उनियारा को पत्र जारी कर न्यायालय के आदेश की नियमानुसार पालना सुनिश्चित करने तथा सात दिवस में पालना रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। **जिला कलेक्टर कार्यालय टोंक से 20 नवंबर 2026 को जारी पत्र क्रमांक** : एफ12 (राजस्व)/ PLPC/2026/5584 के अनुसार, परिवादी नेमीचंद पुत्र केसीराम मीणा, निवासी उनियारा एसडीओ कार्यालय के पास, उनियारा, जिला टोंक की ओर से 17 नवंबर 2026 को प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया गया था। प्रार्थना पत्र में राजस्थान उच्च न्यायालय, जयपुर में दायर डीबी सिविल रिट (पीआईएलपी) याचिका संख्या 20981/2026, नेमीचंद मीणा बनाम राजस्थान राज्य एवं अन्य में न्यायालय द्वारा 30 अक्टूबर 2026 को पारित आदेश की पालना करवाने तथा अतिक्रमण हटवाने के संबंध में आवश्यक कार्रवाई की मांग की गई थी। इस पर जिला कलेक्टर कार्यालय ने संबंधित प्रार्थना पत्र एवं उसके संलग्न दस्तावेजों की प्रति उपखंड अधिकारी उनियारा को भेजते हुए निर्देशित किया है कि उच्च न्यायालय के पारित आदेश की नियमानुसार पालना करवाई जाए तथा सात दिवस के भीतर पालना रिपोर्ट जिला कलेक्टर कार्यालय को आवश्यक रूप से भिजवाई जाए। साथ ही पत्र को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश भी दिए गए हैं। अब जिला कलेक्टर के निर्देशों के बाद संबंधित मामले में उपखंड प्रशासन की ओर से की जाने वाली कार्रवाई पर नजर रहेगी।

सोड़ा-रामजीपुरा में चोरों का आतंक- किसानों के खेत बने निशाना,पुलिस गश्त पर उठे सवाल,

पिछली बार 12 कुओं से केबल चोरी-अब फिर 2 कुओं को बनाया निशाना; लगातार हो रही वारदातों से किसानों में आक्रोश

स्मार्ट हलचल



टोंक। मालपुरा उपखंड क्षेत्र के डिग्गी थाना अंतर्गत सोड़ा-रामजीपुरा इलाके में खेतों से केबल चोरी की वारदातें थमने का नाम नहीं ले रही हैं। चोरों के हौसले लगातार बुलंद होते जा रहे हैं। एक बार फिर चोरों ने किसानों के खेतों में बने कुओं को निशाना बनाते हुए दो कुओं से विद्युत केबल चोरी कर ली। गौरतलब है कि इससे पहले चोर एक साथ 12 खेतों के कुओं से केबल चोरी कर चुके हैं। उस घटना के बाद भी अब तक ऐसी वारदातों पर प्रभावी अंकुश नहीं लग पाया है। अब दोबारा दो कुओं को निशाना बनाए जाने से किसानों में भारी नाराजगी है। लगातार हो रही चोरियों के कारण किसानों को आर्थिक नुकसान के साथ-साथ सिंचाई व्यवस्था बाधित होने की परेशानी भी उठानी पड़ रही है।

पुलिस गश्त पर उठे सवाल - इलाके में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं ने पुलिस की रात्रि गश्त और सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि जब पहले एक साथ 12 कुओं से केबल चोरी हुई थी, तो उसके बाद सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की जानी चाहिए थी। इसके बावजूद दोबारा चोरी की घटना होना चिंता का विषय है। ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन से क्षेत्र में रात्रि गश्त बढ़ाने, चोरी की वारदातों का खुलासा करने, आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार करने तथा किसानों की संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है। अब सवाल यह है कि किसानों के खेतों को चोरों से सुरक्षा कब मिलेगी? क्या पुलिस प्रशासन इन वारदातों पर अंकुश लगाने के लिए ठोस कदम उठाएगा या किसान इसी तरह चोरी की घटनाओं से परेशान होते रहेंगे?

खाकी को मिला महिला सुरक्षा का पाठ, सखी सेंटर की व्यवस्थाओं से रूबरू हुए नए कांस्टेबल

हिंसा पीड़ित महिलाओं की मदद से लेकर कानूनी और चिकित्सा सहायता तक की समझी प्रक्रिया, 181 व 112 हेल्पलाइन की दी जानकारी

स्मार्ट हलचल



ब्यावर। वर्दी की जिम्मेदारी सिर्फ कानून व्यवस्था संभालने तक सीमित नहीं, बल्कि जरूरतमंद और पीड़ित महिलाओं को सुरक्षा एवं न्याय दिलाना भी पुलिस का अहम दायित्व है। इसी उद्देश्य से गुरुवार को पुलिस विभाग में नवनियुक्त कांस्टेबलों के दल ने अमृत कौर अस्पताल स्थित सखी वन स्टॉप सेंटर का भ्रमण कर महिला सुरक्षा से जुड़ी व्यवस्थाओं और सरकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त की। भ्रमण के दौरान सेंटर प्रभारी प्रतिभा सलोत्री ने कांस्टेबलों को सेंटर की कार्यप्रणाली से अवगत करवाते हुए बताया कि हिंसा से पीड़ित महिलाओं को यहां एक ही छत के नीचे पुलिस सहायता, चिकित्सा सुविधा, विधिक सहायता, काउंसलिंग और अस्थायी आश्रय नि:शुल्क उपलब्ध कराया जाता है। उन्होंने बताया कि जरूरत पड़ने पर महिलाएं 181 महिला हेल्पलाइन और 112 नंबर पर संपर्क कर सहायता प्राप्त कर सकती हैं। इस दौरान नवनियुक्त कांस्टेबलों को बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, बाल विवाह रोकथाम, महिला सलाह एवं सुरक्षा केंद्र तथा बाल विवाह मुक्त राजस्थान अभियान सहित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई। कांस्टेबलों ने सेंटर के अलग-अलग कक्षों का अवलोकन कर पीड़ित महिलाओं को उपलब्ध कराई जाने वाली सुविधाओं और सहायता प्रक्रिया को नजदीक से समझा। कांस्टेबलों ने भरोसा दिलाया कि फील्ड ड्यूटी के दौरान महिलाओं से जुड़े मामलों में संवेदनशीलता और तत्परता को प्राथमिकता देंगे। साथ ही जरूरतमंद महिलाओं को सखी सेंटर की जानकारी देकर उन्हें सरकारी सहायता से जोड़ेंगे, ताकि संकट की घड़ी में कोई भी महिला अकेली न रहे। इस अवसर पर सेंटर प्रभारी, काउंसलर, केस वर्कर सहित अन्य स्टाफ मौजूद रहा।

खदानों में सुरक्षा का संकल्प, श्री सीमेंट ने दिया दुर्घटनामुक्त खनन का संदेश

निम्बेटी लाइमस्टोन खदान में 40वां खान सुरक्षा सप्ताह मनाया, अधिकारियों ने किया निरीक्षण, गीत और नाटिका से कर्मचारियों को किया जागरूक

स्मार्ट हलचल । अनिल खीची



रास । खनन कार्यों में जरा सी लापरवाही भी बड़े हादसे का कारण बन सकती है। इसी को ध्यान में रखते हुए श्री सीमेंट की निम्बेटी लाइमस्टोन खदान में 40वां खान सुरक्षा सप्ताह उत्साहपूर्वक आयोजित किया गया। ष्ठतस्र अजमेर रीजन-1 एवं 2 के तत्वावधान में हुए इस आयोजन में सुरक्षित खनन, कर्मचारियों की सुरक्षा और दुर्घटनाओं की रोकथाम को लेकर विशेष जोर दिया गया। कार्यक्रम का संदेश सुरक्षित खनिक, सुरक्षित खदान और समृद्ध राष्ट्र रहा। खान सुरक्षा सप्ताह के तहत निरीक्षण टीम के संयोजक धर्मेंद्र कुमार के नेतृत्व में सदस्य गुलाब सिंह झाला एवं लवी अग्रवाल ने खदान का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं और निर्धारित मानकों की बारीकी से समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान खनन कार्यों में सुरक्षा उपायों के प्रभावी क्रियान्वयन पर ध्यान दिया गया। खान के सहायक उपाध्यक्ष टी.के. ढेलावत ने कहा कि सुरक्षा महज नियमों और निर्देशों तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि इसे प्रत्येक कर्मचारी की कार्यशैली और आदत का हिस्सा बनाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कर्मचारी की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। सुरक्षित कार्य व्यवहार अपनाने से दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के साथ उत्पादन और कार्यक्षमता में भी सुधार संभव है। कार्यक्रम में कर्मचारियों ने सुरक्षा गीत और लघु नाटिका के माध्यम से अनूठे अंदाज में जागरूकता का संदेश दिया। इन प्रस्तुतियों ने सुरक्षित कार्य पद्धतियों और छोटी-छोटी सावधानियों के महत्व को प्रभावी तरीके से समझाया। इस अवसर पर टी.वी. श्रीनिवास, संजीव कुमार द्विवेदी, डूंगा राम एवं हरीश कुमार आर्य सहित अनेक अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन दीक्षा एवं श्रिया ने किया। आयोजन के माध्यम से खनन क्षेत्र में ऐसी कार्यसंस्कृति विकसित करने का आह्वान किया गया, जहां सुरक्षा सर्वोपरि हो और हर कर्मचारी सुरक्षित वातावरण में कार्य कर सके।

बनवाड़ा पंचायत में नवनिर्वाचित सरपंच कमलेश चंदेल ने पूजा-अर्चना के साथ संभाला पदभार,पांच साल में विकास और जनसमस्याओं के समाधान का दिलाया भरोसा

स्मार्ट हलचल



टोंक/पीपलू । पीपलू उपखंड क्षेत्र की ग्राम पंचायत बनवाड़ा में नवनिर्वाचित सरपंच कमलेश चंदेल ने विधिवत पूजा-अर्चना के साथ पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर आयोजित समारोह में ग्राम पंचायत के सभी वार्ड पंचों एवं उपसरपंच सरोज कंवर सहित संपूर्ण कोरम ने भी पदभार संभाला। समारोह में ग्राम पंचायत के अंतर्गत आने वाले सभी गांवों के गणमान्य नागरिकों एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया। इस दौरान ग्रामीणों की ओर से नवनिर्वाचित सरपंच, उपसरपंच एवं वार्ड पंचों का स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। इस मौके पर नवनिर्वाचित सरपंच कमलेश चंदेल ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि आगामी पांच वर्षों के कार्यकाल में ग्राम पंचायत बनवाड़ा क्षेत्र की आमजन से जुड़ी प्रत्येक समस्या का प्राथमिकता के आधार पर समाधान करवाया जाएगा। पंचायत क्षेत्र में विकास कार्यों को गति देने के साथ ही मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने में कोई कमी नहीं रखी जाएगी। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायत के विकास में सभी जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों की सहभागिता सुनिश्चित करते हुए जनहित के कार्य किए जाएंगे।

एक सीट, धरने की आंच और सियासती किरदार

स्मार्ट हलचल/आकाश शर्मा



चित्तौड़गढ़ की धरा हमेशा से जौहर, शौर्य और स्वाभिमान की गाथाओं के लिए जानी जाती रही है, मगर आज इस ऐतिहासिक माटी की जाजम पर अंदुरुनी जो सियासी रण चल रहा है, उसकी गूंज किसी 'विस्फोट' से कम नहीं है। मतपेटियों ने अपना फैसला सुना दिया,पर असली रणभूमि तो अब मतपेटियों के बाहर सजी है,जहां हर चेहरा नकाब के पीछे है, हर मुस्कान के भीतर एक चाल छिपी है और हर वादे की मियाद अगले सियासी मोड़ तक ही सिमटी दिखती है। जिला परिषद के गलियारों में कांग्रेस ने रतनी देवी और रामेश्वर धाकड़ के नामों पर मुहर लगाकर जो एकजुटता दिखाई, उसने पार्टी के भीतर नया ऑक्सीजन भर दिया। वहीं भाजपा ने सात सीटों और वह भी पूरी नारी शक्ति के गणित के बावजूद लोकतांत्रिक मर्यादा और चुनावी प्रक्रिया को निभाकर अपनी मौजूदगी दर्ज कराई। पर यह सब तो उस बड़े तूफान की आहट मात्र है, जो पंचायत समिति की उन 29 सीटों के बीच उपजा है जहां जनता ने 14-14 का ऐसा कांटा फंसाया है कि हर दल की सांसें अटकी हैं।

गणित कैसे पलटा

इसी 14-14 के गतिरोध के बीच वार्ड 24 से RLP की शंकरी देवी भील की 692 वोटों से जीत ने पूरे प्रदेश की निगाहें चित्तौड़गढ़ पर टिका दी हैं। बहुमत के लिए जरूरी 15 के आंकड़े पर यह इकलौती सीट निर्णायक कील बन गई। उनके भाजपा खेमे के साथ जुड़ने की चर्चाओं ने संख्या बल का पलड़ा एक तरफ झुकाने की कोशिश की और कांग्रेस की राह कठिन बना दी। फिर फैक्ट्री और कार से जुड़े वीडियो सामने आए, अपहरण के आरोप उछले, परिवार के भीतर से अलग-अलग स्वर गूंजे, विकास व स्वेच्छा के दावे किए गए और विधायक चंद्रभान सिंह आक्या ने इन आरोपों को साजिश करार दिया,इन सबने सामान्य अंकगणित को उलझाकर सियासी ड्रामा को चरम पर पहुंचा दिया।

धरने से किसका समीकरण बिगड़ा

कलेक्ट्रेट के बाहर RLP का धरना और विरोध प्रदर्शन इस बारूद में नई चिंगारी बनकर उभरा है और इसका असर किसी एक तक सीमित नहीं रहा। अपनी इकलौती सीट के हाथ से फिसलने के दावों के बीच RLP को सड़क पर उतरकर दबाव बनाना पड़ रहा है, जिससे उसकी सियासी धार और सौदेबाजी की ताकत पर सवाल खड़े हुए हैं। दूसरी तरफ, धरने, अपहरण के आरोपों और पारिवारिक खींचतान ने भाजपा व उसके प्रबंधन खेमे पर नैतिक व रणनीतिक दबाव बढ़ाया है जहां 'पूर्व घोषित' या 'स्वघोषित' प्रधान के अरमानों पर भी ऐन वक्त पर कैंची चलने की सुगबुगाहट तेज है। वहीं कांग्रेस के लिए यह धरना और हलचल बाहर से नया मौका खोलती दिखती है, पर भीतरखाने उदय सेनापति की सक्रियता और सुरेंद्र सिंह जाड़ावत के संभावित पूर्ण समर्थन को लेकर चल रही फुसफुसाहट ने यह संशय भी गहरा कर दिया है कि कहीं भीतर के किरदार ही कांग्रेस का प्रधान बनने की राह में रोड़ा न बन जाएं।

आखिर यह सारा ताना-बाना किस बड़े लक्ष्य के लिए बुना जा रहा है

जवाब एक ही है,चित्तौड़गढ़ विधानसभा की सियासी जमीन पर किसका झंडा लहराएगा और किसका दबदबा कायम होगा !

आज चित्तौड़गढ़ की राजनीति उस चौराहे पर खड़ी है, जहां सिद्धांतों की चादर के नीचे सौदेबाजी, आरोप-प्रत्यारोप और दबाव की जमीन तैयार हो रही है। जिला परिषद की बढ़त से हौसला बुलंद कांग्रेस, हर हाल में बाजी पलटने को बेताब भाजपा और सड़क पर डटी RLP के बीच यह 'एक सीट' सबसे बड़ा पेंच बन गई है। अब देखना यह है कि इस सियासी बारूद की चिंगारी किसके हक में सत्ता का सिंहासन सजाती है, और किसके हिस्से केवल धुआं व आरोप-प्रत्यारोप आते हैं क्योंकि चित्तौड़ की जाजम पर जब चालें चलती हैं, तो किरदार भी इतिहास रचता है।

माउंट आबू में 28 नवंबर से सजेगा पक्षियों का संसार, देशभर के विशेषज्ञ करेंगे जैव विविधता और संरक्षण पर मंथन

पहली बार आयोजित होगा दो दिवसीय माउंट आबू बर्ड फेस्टिवल, 400 विद्यार्थी लेंगे भाग पक्षी विशेषज्ञों, वैज्ञानिकों और वन्यजीव संरक्षणवादियों के होंगे विशेष व्याख्यान...




डॉ. सुतिर्था दत्ता


डॉ. रजत भार्गव


विजयादित्य सिंह राठौड़


अभिषेक रे

स्मार्ट हलचल

उदयपुर- माउंटआबू,26 नवंबर। अरावली की सुरम्य वादियों में बसे राजस्थान के एकमात्र हिल स्टेशन माउंट आबू में प्रकृति, पक्षियों और जैव विविधता का अनूठा उत्सव सजने जा रहा है। यहां पहली बार 28 और 29 नवंबर को दो दिवसीय 'माउंट आबू बर्ड फेस्टिवल-2026' आयोजित होगा। पक्षियों के संरक्षण, प्राकृतिक आवासों की सुरक्षा और नई पीढ़ी में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से होने वाले इस महोत्सव में देश के जाने-माने पक्षी विशेषज्ञ, वैज्ञानिक, प्रकृतिविद्, वन्यजीव संरक्षणकर्ता और पक्षी प्रेमी जुटेंगे। करीब 400 विद्यार्थियों की सहभागिता भी इस आयोजन का विशेष आकर्षण होगी। ग्रीन पीपल सोसायटी (जीपीएस), उदयपुर के तत्वावधान में आयोजित होने वाले इस महोत्सव को राजस्थान वन विभाग, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की आंतरिक सुरक्षा अकादमी और डब्ल्यूडब्ल्यूएफ-इंडिया का सहयोग मिलेगा। आयोजन स्थल माउंट आबू स्थित सीआरपीएफ की आंतरिक सुरक्षा अकादमी का परिसर निर्धारित किया गया है।

28 नवंबर को होगा उद्घाटन, विशिष्ट अतिथि रहेंगे कई प्रमुख व्यक्तित्व

ग्रीन पीपल सोसायटी के अध्यक्ष एवं रिटायर्ड सीसीएफ राहुल भटनागर ने बताया कि महोत्सव का उद्घाटन समारोह 28 नवंबर को सुबह 11:30 बजे आंतरिक सुरक्षा अकादमी (आईएसए), माउंट आबू में आयोजित होगा। समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में जोधपुर कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. वीरेंद्र सिंह जाटावत, राजस्थान के मुख्य वन्यजीव प्रतिपालक आईएफएस शशि शंकर पाठक, 23 राजपूत के कर्नल जितेंद्र सिंह तोमर, सिरोही जिला कलेक्टर रोहिताश, सीआरपीएफ आंतरिक सुरक्षा अकादमी के कमांडेंट महेंद्र कुमार तथा आबू नगरपालिका बोर्ड के अध्यक्ष सुनील आचार्य शामिल होंगे। भटनागर ने बताया कि यह आयोजन क्षेत्र के प्रसिद्ध प्रकृतिविद् एवं पक्षी प्रेमी स्वर्गीय श्री अनिल माथुर की स्मृति को समर्पित है। उनके प्रकृति संरक्षण के प्रति योगदान और समर्पण को याद करते हुए महोत्सव के माध्यम से पक्षियों एवं प्राकृतिक विरासत के संरक्षण का संदेश दिया जाएगा।

चार विशेषज्ञ देंगे पक्षियों और वन्यजीव संरक्षण पर व्याख्यान

सोसाइटी के उपाध्यक्ष एवं रिटायर्ड आईएएस विक्रम सिंह ने बताया कि महोत्सव का प्रमुख आकर्षण 28 नवंबर को दोपहर 2:45 से शाम 5 बजे तक आयोजित होने वाला तकनीकी सत्र होगा। इसमें देश के चार प्रतिष्ठित विशेषज्ञ पक्षियों, वन्यजीवों और प्राकृतिक पारिस्थितिकी से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर अपने विचार साझा करेंगे।

डॉ. रजत भार्गव - पक्षी विज्ञानी

राजस्थान में संकटग्रस्त ग्रीन अवदावत के संरक्षण पर व्याख्यान देंगे। वे स्वतंत्र पक्षी विज्ञानी हैं और बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसायटी (बीएनएचएस) में सहायक निदेशक के पद पर कार्य कर चुके हैं।

डॉ. सुतिर्था दत्ता - पारिस्थितिकीविद्

'द अम्ब्रेला कॉल्ड बस्टर्ड' विषय पर व्याख्यान देंगे। वे भारतीय वन्यजीव संस्थान से जुड़े वैज्ञानिक हैं और ग्रेट इंडियन बस्टर्ड की पारिस्थितिकी एवं संरक्षण पर शोध कर चुके हैं।

अभिषेक रे - संगीतकार एवं वन्यजीव संरक्षणकर्ता

'बाघ : द इनसाइड स्टोरी' विषय पर अपनी बात रखेंगे। फिल्म संगीत और वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में सक्रिय अभिषेक रे ने सीताबनी वन्यजीव अभयारण्य के संरक्षण एवं विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

विजयादित्य सिंह राठौड़ - वन्यजीव जीवविज्ञानी एवं लेखक

'कृषि परिवर्तन और थार मरुस्थल में अकशेरुकी एवं पक्षी अकशेरुकी जीवों का पतन' विषय पर व्याख्यान देंगे। वे वन्यजीव फिल्म निर्माण के माध्यम से प्राकृतिक दुनिया की कहानियां सामने लाने के लिए भी सक्रिय हैं।

400 विद्यार्थियों को मिलेगा पक्षियों को करीब से जानने का अवसर

महोत्सव का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य विद्यार्थियों को प्रकृति और पक्षियों की दुनिया से जोड़ना है। प्रदेश के विभिन्न विद्यालयों के करीब 400 विद्यार्थियों को आयोजन में शामिल करने की योजना है। इनके लिए चित्रकला प्रतियोगिता, प्रश्नोत्तरी और जागरूकता संबंधी गतिविधियां आयोजित होंगी। विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में बर्ड वॉक और बर्ड ट्रेल के माध्यम से विद्यार्थी प्राकृतिक परिवेश में पक्षियों की पहचान, उनके व्यवहार और आवास के बारे में व्यावहारिक जानकारी प्राप्त करेंगे। आयोजकों का प्रयास है कि विद्यार्थियों में पक्षियों के प्रति केवल जिज्ञासा ही नहीं, बल्कि उनके संरक्षण की जिम्मेदारी का भाव भी विकसित हो। इसके लिए विद्यालयों में पक्षी क्लब बनाने और दीर्घकालीन संरक्षण गतिविधियों को प्रोत्साहित करने की योजना भी है।

250 से अधिक पक्षी प्रजातियों का प्राकृतिक खजाना है माउंट आबू

पक्षी विशेषज्ञ डॉ. सतीश शर्मा ने बताया कि माउंट आबू वन्यजीव अभयारण्य अपनी विशिष्ट जलवायु, हरियाली और समृद्ध जैव विविधता के लिए जाना जाता है। यहां 250 से अधिक पक्षी प्रजातियां दर्ज की गई हैं। ग्रीन मुनिया, इंडियन पैराडाइज फ्लाईकैचर, क्रेस्टेड सर्पेंट ईगल और इंडियन पिट्टा जैसी प्रजातियां पक्षी प्रेमियों के लिए विशेष आकर्षण हैं। अरावली की ऊंची पहाड़ियों, वन क्षेत्रों और विविध प्राकृतिक आवासों के कारण माउंट आबू पक्षी अवलोकन के लिए राजस्थान के महत्वपूर्ण स्थलों में शामिल है। बर्ड फेस्टिवल के जरिए इस प्राकृतिक विरासत को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के साथ ही इसके सामने मौजूद पर्यावरणीय चुनौतियों पर भी चर्चा होगी।

दो दिवसीय आयोजन से आगे बढ़ेगा संरक्षण का अभियान

ग्रीन पीपल सोसायटी की योजना इस महोत्सव को केवल दो दिवसीय उत्सव तक सीमित रखने की नहीं है। इसे वार्षिक संरक्षण अभियान के रूप में विकसित करने की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं। इसके तहत पक्षी गणना, ई-बर्ड के माध्यम से नागरिक विज्ञान को बढ़ावा देने, विद्यालयों में बर्ड क्लब स्थापित करने, प्राकृतिक आवासों के पुनर्स्थापन और संरक्षण संबंधी व्याख्यान जैसी गतिविधियां प्रस्तावित हैं। आयोजन को प्लास्टिक मुक्त और पर्यावरण अनुकूल बनाने पर भी विशेष जोर रहेगा। इससे स्थानीय युवाओं, प्रकृति गाइडों और पर्यटन व्यवसाय से जुड़े लोगों को प्रकृति आधारित पर्यटन के नए अवसर मिलने की उम्मीद है। माउंट आबू में पहली बार होने जा रहा यह बर्ड फेस्टिवल राजस्थान की प्राकृतिक संपदा को नई पहचान देने के साथ ही पक्षी संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल साबित हो सकता है।

जिला परिषद में भाजपा का पलटवार, टीकम सिंह ने तीन वोट से हासिल की उप जिला प्रमुख की कुर्सी

27 सदस्यों के मतदान में भाजपा को मिले 15 मत, कांग्रेस प्रत्याशी प्यारी देवी को 12 वोट

स्मार्ट हलचल । अनिल खीची



ब्यावर । ब्यावर जिला परिषद में उप जिला प्रमुख पद के चुनाव में भाजपा ने जीत का परचम लहराया। गुरुवार को हुए निर्वाचन में भाजपा प्रत्याशी टीकम सिंह चौहान ने कांग्रेस प्रत्याशी प्यारी देवी को तीन मतों से शिकस्त देकर उप जिला प्रमुख पद पर कब्जा जमाया। निर्वाचन प्रक्रिया के तहत जिला परिषद के सभी 27 सदस्यों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मतगणना में भाजपा प्रत्याशी टीकम सिंह को 15 मत मिले, जबकि कांग्रेस प्रत्याशी प्यारी देवी को 12 मत प्राप्त हुए। इस प्रकार टीकम सिंह ने तीन मतों के अंतर से जीत दर्ज कर उप जिला प्रमुख का पद हासिल किया। जिला परिषद के इस चुनाव में भाजपा ने अपने पक्ष में बहुमत साबित करते हुए उप जिला प्रमुख पद पर जीत दर्ज की। निर्वाचन प्रक्रिया शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुई।

संविधान के संकल्प से गूंजा न्यायालय परिसर, न्यायिक अधिकारियों और अधिवक्ताओं ने किया प्रस्तावना का सामूहिक वाचन

गांधी और डॉ. आंबेडकर की प्रतिमाओं पर किया माल्यार्पण, संवैधानिक मूल्यों को जीवन में अपनाने का दिया संदेश

स्मार्ट हलचल



ब्यावर । संविधान दिवस पर गुरुवार को जिला न्यायालय परिसर में लोकतंत्र और संवैधानिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता का संदेश गूंजा। जिला बार एसोसिएशन संस्था, ब्यावर के तत्वावधान में आयोजित समारोह में न्यायिक अधिकारियों एवं अधिवक्ताओं ने संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन कर न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुता के आदर्शों को आत्मसात करने का संकल्प लिया। समारोह को संबोधित करते हुए जिला एवं सेशन न्यायाधीश हारून ने कहा कि भारतीय संविधान विश्व के व्यापक और दूरदर्शी संवैधानिक दस्तावेजों में से एक है। यह नागरिकों को अधिकार देने के साथ उनके कर्तव्यों और जिम्मेदारियों का भी बोध कराता है। उन्होंने कहा कि संविधान की वास्तविक सार्थकता तभी है, जब प्रत्येक नागरिक इसके मूल सिद्धांतों को अपने आचरण और जीवन में उतारे। कार्यक्रम की शुरुआत न्यायालय परिसर में स्थापित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ हुई। इसके बाद न्यायिक अधिकारियों एवं अधिवक्ताओं ने संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन किया। इस अवसर पर एडीजे संख्या-1 विकास सिंह चौधरी, एडीजे संख्या-3 विजय प्रकाश सोनी, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव सोनल पारिख, सीजेएम अनिता शर्मा सहित अन्य न्यायिक अधिकारी उपस्थित रहे। बार अध्यक्ष एवं वरिष्ठ अधिवक्ता जसवंत सिंह, बार सचिव श्याम प्रताप सिंह, सूर्यकांत चौधरी, नरपत सिंह, हनुमान सिंह राठौड़, सोहन लाल शर्मा, जयप्रकाश जांगिड़ एवं अपर लोक अभियोजक प्रियव्रत सिंह सहित अधिवक्तागण मौजूद रहे। मंच संचालन अधिवक्ता प्रवीण जैन ने किया।

राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज धौलपुर में मनाया गया संविधान दिवस

स्मार्ट हलचल



धौलपुर। राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज धौलपुर में 26 नवंबर 2026 को संविधान दिवस उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में मनाया गया।इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.बी.एल. गुप्ता के नेतृत्व में विद्यार्थियों एवं महाविद्यालय के कार्मिकों ने भारतीय संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन किया तथा संविधान में निहित मूल्यों, आदर्शों एवं लोकतांत्रिक सिद्धांतों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।कार्यक्रम के दौरान भारतीय संविधान के निर्माण, संविधान सभा के योगदान तथा नागरिकों के मौलिक अधिकारों एवं मौलिक कर्तव्यों के महत्व पर प्रकाश डाला गया विद्यार्थियों को संविधान के प्रति सम्मान, लोकतांत्रिक मूल्यों, समानता, स्वतंत्रता, न्याय एवं बंधुत्व की भावना को अपने जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। प्राचार्य गुप्ता ने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय संविधान हमारे लोकतंत्र की आधारशिला है। प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि वह संविधान में निहित आदर्शों एवं मूल्यों का पालन करे तथा राष्ट्र की एकता, अखंडता एवं समृद्धि में अपना योगदान दे। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में संवैधानिक जागरूकता, राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी एवं लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति सम्मान की भावना विकसित करना रहा।इस अवसर पर महाविद्यालय के बृजेश त्यागी, डॉ. के.के. उपाध्याय, मिलेश चौहान, माधव गर्ग, मोनिका दुबे, विनय बघेला,
जितेंद्र शर्मा ,आकाश शर्मा,निरंजन सिंह,
लक्ष्मीकांत,सृष्टि झा ,मोहित श्रीवास्तव , सौरव शर्मा ,गिर्राज गिरी,कुलदीप तिवारी एवं सहित समस्त संकाय सदस्य, कर्मचारीगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

नून्द्री मेन्द्रा तान के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में संविधान दिवस मनाया गया: विद्यार्थियों को मिला मताधिकार व नैतिक मतदान का संदेश

प्रधानाचार्य आशा बारेसा ने बताया संविधान का महत्व; अनुच्छेद 326, सोशल मीडिया की भ्रांतियों से बचने व प्रलोभन रहित मतदान पर हुई चर्चा, दिलाई गई मतदाता शपथ

स्मार्ट हलचल



नून्द्री मेन्द्रा तान । राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, नून्द्री मेन्द्रा तान में संविधान दिवस मनाया गया और विद्यार्थियों को संविधान तथा इसके महत्व के बारे में जानकारी दी गई। इस अवसर पर शिक्षकों ने संविधान के मूल सिद्धांतों, मतदान के संवैधानिक अधिकार और नैतिक मतदान के महत्व पर प्रकाश डाला तथा उपस्थित विद्यार्थियों व स्टाफ को मतदाता की शपथ दिलाई।

संविधान का महत्व, अनुच्छेद 326 और नैतिक मतदान पर विचार

कार्यक्रम में प्रधानाचार्य आशा बारेसा ने संविधान के बारे में बताते हुए इसके महत्व को समझाया और विद्यार्थियों को संवैधानिक वोट देने के अधिकार व नैतिक मतदान के बारे में जानकारी दी। व्याख्याता दीपिका सिंगारिया ने बताया कि संविधान के अनुच्छेद 326 के तहत 18 वर्ष से ऊपर के हर नागरिक को जाति, धर्म, शिक्षा, अमीर-गरीब के भेद के बिना समान वोट देने का अधिकार प्राप्त है। वहीं, पंचायत शिक्षक जगदीश मेघवाल ने विद्यार्थियों और नागरिकों को सोशल मीडिया की भ्रांतियों व गलत जानकारी से बचने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि किसी के दबाव या प्रलोभन में आकर मतदान न करें, क्योंकि स्वच्छ छवि वाला ईमानदार और पढ़ा-लिखा उम्मीदवार ही अच्छी सरकार बना सकता है। कार्यक्रम के अंत में मतदाता की शपथ दिलाई गई।

स्टाफ सदस्यों की रही मौजूदगी

संविधान दिवस के इस कार्यक्रम में प्रधानाचार्य आशा बारेसा, व्याख्याता दीपिका सिंगारिया व पंचायत शिक्षक जगदीश मेघवाल के साथ राजेश त्रिपाठी, रामनिवास बालोटिया, मनोहर लाल सोलंकी, कैलाश कुमावत, विष्णु दत्त, मीनाक्षी छीपा, अरूणा बारेसा, सरोज ढाका, स्नेहलता जैन, ललिता पंवार और राजकुमारी सहित अन्य उपस्थित रहे।

28 वोटों से सुनील कुमावत की जीत, जयपुर उप जिला प्रमुख की कुर्सी पर कब्जा; जीत के बाद शपथ भी ली

झोटवाड़ा के ग्रामीण क्षेत्र में समर्थकों और कुमावत समाज में उत्साह, वार्ड 18 में रमा चोपड़ा को हराने के बाद अब जिला परिषद में दूसरी बड़ी कामयाबी

55 सदस्यों ने किया मतदान, एक मत निरस्त और आरएलपी के दो सदस्य रहे गैरहाजिर; वार्ड 18 में रमा चोपड़ा को हराकर पहले ही बना चुके थे चर्चा

स्मार्ट हलचल



जयपुर जयपुर जिला परिषद के उप जिला प्रमुख चुनाव में कांग्रेस के सुनील कुमावत ने बड़ी जीत दर्ज कर ग्रामीण राजनीति में अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज कराई। सुनील कुमावत को 41 वोट मिले, जबकि भाजपा प्रत्याशी सीताराम शर्मा को 13 मत प्राप्त हुए। 28 वोटों के बड़े अंतर से जीत हासिल करने के बाद सुनील कुमावत को उप जिला प्रमुख पद की शपथ भी दिलाई गई। जीत की घोषणा होते ही कांग्रेस कार्यकर्ताओं और समर्थकों में उत्साह देखने को मिला। समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई और जीत को लेकर बधाइयों का सिलसिला शुरू हो गया। झोटवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में सुनील कुमावत की जीत को लेकर खास उत्साह नजर आया। कुमावत समाज के लोगों और समर्थकों ने भी इस सफलता को समाज के राजनीतिक प्रतिनिधित्व और ग्रामीण क्षेत्र की आवाज को मजबूती मिलने से जोड़कर देखा।

मतदान का पूरा गणित

जयपुर जिला परिषद में कुल 57 सदस्य हैं, जिनमें से 55 सदस्यों ने मतदान किया। सुनील कुमावत को 41 मत मिले, भाजपा प्रत्याशी सीताराम शर्मा को 13 मत मिले, जबकि एक मत निरस्त हो गया। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के दो सदस्य मतदान प्रक्रिया में शामिल नहीं हुए। इस प्रकार 28 मतों के अंतर से सुनील कुमावत विजयी रहे।

वार्ड 18 की जीत से उप जिला प्रमुख तक का सफर

उप जिला प्रमुख बनने से पहले सुनील कुमावत जिला परिषद के वार्ड संख्या 18 से चुनाव जीतकर सुर्खियों में आए थे। उन्होंने भाजपा की पूर्व जिला प्रमुख रमा चोपड़ा को 7,096 मतों से पराजित किया था। वार्ड चुनाव में मिली बड़ी जीत के बाद अब उप जिला प्रमुख पद पर सफलता ने उनके राजनीतिक सफर को नई मजबूती दी है। झोटवाड़ा विधानसभा के ग्रामीण क्षेत्र में कुमावत समाज सहित विभिन्न वर्गों के मतदाताओं के बीच उनकी पकड़ और चुनावी समर्थन को इस जीत के महत्वपूर्ण पहलुओं के रूप में देखा जा रहा है। जिला परिषद में उप जिला प्रमुख की जिम्मेदारी मिलने के बाद अब ग्रामीण विकास, जनसमस्याओं के समाधान और क्षेत्र की अपेक्षाओं को लेकर उनसे नई भूमिका निभाने की उम्मीदें भी बढ़ गई हैं। जयपुर जिला परिषद में कांग्रेस के जिला प्रमुख यशवीर सूरा के बाद उप जिला प्रमुख पद पर सुनील कुमावत की जीत ने पार्टी के ग्रामीण नेतृत्व को मजबूती दी है। लगातार दो चुनावी सफलताओं के बाद सुनील कुमावत अब जिला परिषद की जिम्मेदारी के साथ ग्रामीण राजनीति में अपनी नई पारी शुरू करेंगे।

अभिभाषक संघ कठूमर के चुनाव 11 दिसंबर को, निर्वाचन कार्यक्रम घोषित

27 व 28 नवंबर को शपथ पत्र जमा होंगे, 30 नवंबर को नामांकन और 1 दिसंबर को नाम वापसी

स्मार्ट हलचल



कठूमर। दिनेश लेखी। अभिभाषक संघ कठूमर के आगामी 11 दिसंबर 2026 को होने वाले चुनाव को लेकर निर्वाचन कार्यक्रम घोषित कर दिया गया है। इसके साथ ही संघ की ओर से निर्वाचन अधिकारी सुभाष चंद शर्मा तथा सहायक निर्वाचन अधिकारी श्याम सिंह चौहान एवं सतवीर राणा को नियुक्त किया गया है। निर्वाचन अधिकारी सुभाष चंद शर्मा ने बताया कि चुनाव प्रक्रिया के तहत अधिवक्ताओं के शपथ पत्र 27 नवंबर से 28 नवंबर को दोपहर 3 बजे तक स्वीकार किए जाएंगे। वहीं, नवीन पंजीकरण (यदि कोई हो) 28 नवंबर को दोपहर 3 बजे तक कराया जा सकेगा। इसके बाद 28 नवंबर को ही दोपहर 3 बजे के पश्चात अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 30 नवंबर को दोपहर 4 बजे तक नामांकन पत्र दाखिल किए जा सकेंगे, जबकि 1 दिसंबर को दोपहर 3 बजे तक नाम वापस लिए जा सकेंगे। चुनाव में अध्यक्ष पद के लिए नामांकन शुल्क 2100 रुपए निर्धारित किया गया है। वहीं उपाध्यक्ष, महासचिव, कोषाध्यक्ष एवं पुस्तकालय अध्यक्ष पदों के लिए नामांकन शुल्क 1100 रुपए रखा गया है। निर्वाचन अधिकारी ने सभी अधिवक्ताओं से निर्धारित समय-सीमा में चुनाव संबंधी प्रक्रिया पूरी करने की अपील की है। अभिभाषक संघ के चुनाव 11 दिसंबर को संपन्न होंगे।

भारतीय सॉफ्ट पावर का डंका: वेनिस बिएनाले में मिला बेस्ट नेशनल पैवेलियन अवॉर्ड

स्मार्ट हलचल





वेनिस। भारत ने वैश्विक कला और संस्कृति के क्षेत्र में एक नया कीर्तिमान स्थापित करते हुए कला जगत के 'ओलंपिक' माने जाने वाले प्रतिष्ठित 'वेनिस आर्ट बिएनाले' में 'बेस्ट नेशनल पैवेलियन, विजिटर्स लायन' (सर्वश्रेष्ठ राष्ट्रीय मंडप) का सर्वोच्च पुरस्कार अपने नाम किया है। इटली के वेनिस में करीब दो सप्ताह तक चले इस भव्य अंतरराष्ट्रीय कला महाकुंभ में 100 देशों के मंडपों के बीच भारत को यह ऐतिहासिक सफलता मिली है। दुनिया भर से आए दर्शकों के सीधे वोटों के आधार पर तय होने वाला यह सम्मान भारत की बढ़ती सॉफ्ट पावर और वैश्विक सांस्कृतिक प्रभाव की एक शानदार पहचान है। रोम स्थित भारतीय दूतावास ने 'एक्स' पर लिखा अंतरराष्ट्रीय कला जगत में भारत के लिए गौरवपूर्ण क्षण, 61वीं अंतर्राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी - इन माइनर कीज़ में दर्शकों द्वारा डाले गए मतों के आधार पर, भारतीय पवेलियन को 'जियोग्राफ़ीज़ ऑफ़ डिस्टेंस: रिमेंबरिंग होम' नामक प्रदर्शनी को सर्वश्रेष्ठ राष्ट्रीय भागीदारी के लिए विज़िटर्स लायन पुरस्कार से सम्मानित किया गया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक पोस्ट में लिखा वेनिस आर्ट बिएनाले में 'बेस्ट नेशनल पैवेलियन' के लिए 'विज़िटर्स लायन' जीतना, भारत की समृद्ध कलात्मक विरासत और समकालीन रचनात्मकता को मिली एक बड़ी मान्यता है। यह दुनिया भर में भारत के बढ़ते सांस्कृतिक प्रभाव का प्रमाण है। डॉ. अमीन जाफर द्वारा क्यूरेट किए गए इस मंडप में सात साल के अंतराल के बाद भारत की वापसी बेहद यादगार रही। प्रदर्शनी के दौरान भारतीय पैवेलियन को लगभग 4.5 लाख दर्शकों ने देखा, जिससे यह पूरे आयोजन के सबसे लोकप्रिय और सर्वाधिक देखे जाने वाले मंडपों में शुमार रहा। इस प्रतिष्ठित पैवेलियन में पांच उत्कृष्ट भारतीय समकालीन कलाकारों, अलवर बालसुब्रमण्यम, रंजनी शेट्टार, सुमाक्षी सिंह, स्कारमा सोनम ताशी और आसिम वक़िफ़ की कलाकृतियों को प्रदर्शित किया गया। इन कलाकारों ने मिट्टी, कढ़ाई के धागे, बांस, कागज की लुगदी (पापियर-माशे) और जैविक तत्वों जैसी पारंपरिक भारतीय सामग्रियों के माध्यम से 'घर', स्मृति और शहरी बदलाव की अवधारणा को बेहद संवेदनशीलता से उकेरा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और विदेश मंत्रालय ने इस उपलब्धि को देश के लिए अत्यंत गौरव का क्षण बताया है। यह वैश्विक सम्मान न केवल नई पीढ़ी के भारतीय कलाकारों की अद्भुत प्रतिभा को रेखांकित करता है, बल्कि भारत के समकालीन कला परिदृश्य की जीवंतता और शाश्वत सांस्कृतिक विरासत का भी प्रत्यक्ष प्रमाण है।

संविधान दिवस पर बार संघ कठूमर में बैठक, संवैधानिक मूल्यों और नागरिक कर्तव्यों पर की चर्चा

स्मार्ट हलचल



कठूमर। संविधान दिवस के अवसर पर गुरुवार, 26 नवंबर को तालुका विधिक सेवा समिति कठूमर के तत्वावधान में बार संघ कठूमर में बैठक आयोजित की गई। बैठक का आयोजन समिति अध्यक्ष एवं अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश उदय सिंह अलोरिया के निर्देशानुसार किया गया। बैठक में अध्यक्ष उदय सिंह अलोरिया ने भारतीय संविधान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारतीय संविधान हमारे लोकतंत्र की आत्मा है। यह प्रत्येक नागरिक को समानता, स्वतंत्रता, न्याय और बंधुत्व का संदेश देता है। संविधान नागरिकों को उनके मौलिक अधिकारों के साथ-साथ देश और समाज के प्रति अपने कर्तव्यों का भी बोध कराता है। उन्होंने कहा कि मौलिक अधिकारों, मौलिक कर्तव्यों, संवैधानिक मूल्यों एवं संवैधानिक उपचारों की व्यावहारिक जानकारी आमजन तक पहुंचाना आवश्यक है, ताकि प्रत्येक व्यक्ति न्याय प्राप्त करने के अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हो सके। उन्होंने संवैधानिक मूल्यों को जन-जन तक पहुंचाने तथा आमजन में संविधान के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट कठूमर युधिष्ठिर मीना, सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट आदित्य शर्मा, तालुका विधिक सेवा समिति से योगेश चौहान, कठूमर बार संघ अध्यक्ष सुभाष चंद्र शर्मा, खेरली मंडी बार अध्यक्ष देवेंद्र सिंह नरूका सहित अधिवक्ता रामजीलाल शर्मा, तेजसिंह राठी, ओमवीर सिंह फौजदार, भागचंद जैन, ललित मोहन शर्मा, सत्येंद्र सिंह चौधरी, श्याम सिंह चौहान, समंदर कुमार शर्मा एवं सुभाष चंद कठूमर सहित अन्य अधिवक्तागण उपस्थित रहे।

पी.जी.आई.वी.ई.आर.,जयपुर में हर्षोल्लास के साथ संविधान दिवस का आयोजन

स्मार्ट हलचल

जयपुर, 26 नवंबर। गुरूवार को स्नातकोत्तर पशुचिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (पी.जी.आई.वी.ई.आर.), जयपुर में संविधान दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। संस्थान के अधिष्ठाता प्रो. (डॉ.) धर्म सिंह मीना ने सभी का स्वागत करते हुए बताया कि भारत की संविधान सभा द्वारा संविधान को अंगीकृत किए जाने की स्मृति में यह दिवस मनाया जाता है। हमारे संविधान को बनने में कुल 2 वर्ष 11 माह और 18 दिन लगे। प्रो. मीना ने आगे कहा



कि इस दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य जागरुकता बढ़ाना, जिम्मेदार नागरिकता को प्रोत्साहित करना और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता को मजबूत करना है। हमारे संविधान में मनुष्यों के साथ-साथ पशुओं, वातावरण आदि के लिए भी अधिकारों की व्यवस्था की गई है। प्रो. मीना सभी को संविधान की उद्देशिका का वाचन कराया तथा संवैधानिक मूल्यों की रक्षा का संकल्प दिलाया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रूवास (जोबनेर) जयपुर के कुलसचिव श्री सावन कुमार चायल ने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय संविधान विविधता में एकता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान केवल नियमों का संकलन नहीं, बल्कि न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बन्धुत्व का आधार है। यह हमें अपने मौलिक अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों के प्रति भी जागरुक करता है। विशिष्ट अतिथि रूवास की वित्त नियंत्रक डॉ. शालिनी शर्मा ने कहा कि एकता ही हमारी शक्ति है और हमारे संविधान की प्रस्तावना की शुरूआत भी इसी एकता अर्थात् हम के साथ होती है। आगे उन्होंने कहा कि हमारा संविधान अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों का भी बोध कराता है। कर्तव्यों के अभाव में अधिकारों का कोई महत्व नहीं होता है। कार्यक्रम को रूवास की अधिष्ठाता, स्नातकोत्तर शिक्षा डॉ. समिता सैनी, निदेशक प्रसार तथा अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. (डॉ.) गोविन्द सहाय गौतम तथा निदेशक अनुसंधान एवं अधिष्ठाता, सी.डी.एफ.टी., बस्सी प्रो. (डॉ.) बलवन्त मेश्राम ने भी सम्बोधित करते हुए सभी को संविधान दिवस की शुभकामनाएं प्रेषित की। कार्यक्रम में संस्थान के संकाय सदस्यों तथा विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मंच संचालन डॉ. रेणु ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. निर्मल कुमार जेफ ने किया। कार्यक्रम का आयोजन संस्थान के सहायक अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. निर्मल कुमार जेफ के नेतृत्व में किया गया।

टोंक में मोती बाग कब्रिस्तान में सफाई अभियान चलाकर हटाए कांटे व झाड़ियां- पार्षद अकबर खान ने व्यवस्थाएं बेहतर बनाने की अपील की

स्मार्ट हलचल

टोंक। टोंक नगर परिषद के वार्ड नम्बर 27 स्थित मोती बाग कब्रिस्तान में साफ-सफाई व्यवस्था को लेकर पार्षद अकबर खान की मौजूदगी में पहल की गई। इस दौरान मोहम्मद अजीज़, हज़रत मोअज्ज़म साहब, अज़ीज़ भाई, मुबारक भाई सहित अन्य लोगों ने कब्रिस्तान परिसर में जगह-जगह फैले कांटों एवं झाड़ियों की सफाई को लेकर विचार-विमर्श किया। इसके बाद परिसर में सफाई कार्य



करवाकर कांटों और झाड़ियों को हटाया गया। इस अवसर पर पार्षद अकबर खान ने कहा कि कब्रिस्तान की साफ-सफाई एवं बेहतर व्यवस्थाएं बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने संबंधित लोगों से नियमित रूप से सफाई व्यवस्था बनाए रखने तथा कब्रिस्तान परिसर को स्वच्छ एवं व्यवस्थित रखने में सहयोग करने की अपील की।

दिल्ली की सुरक्षा पर स्टडी में बड़ा खुलासा, 87.5 प्रतिशत महिलाओं को बस-मेट्रो स्टॉप तक पहुंचने में सताता है डर

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में महिलाओं की सुरक्षा का सवाल केवल बसों, मेट्रो या सार्वजनिक परिवहन में सफर तक सीमित नहीं है। घर से निकलकर मेट्रो स्टेशन या बस स्टाप तक पहुंचने का रास्ता भी उनके लिए डर और असुरक्षा की वजह बना हुआ है। एक अध्ययन में सामने आया है कि दिल्ली में 87.5 प्रतिशत महिलाओं और लड़कियों को अपने नजदीकी सार्वजनिक परिवहन स्टाप तक पैदल जाने में असुरक्षा महसूस होती है। यानी सार्वजनिक परिवहन में सफर शुरू होने से पहले ही उनके सामने सुरक्षा की चुनौती खड़ी हो जाती है।

गंभीर सवाल उठाए गए

जेंडर समानता के लिए काम करने वाली संस्था सेंटर फार इक्विटी एंड इंक्लूजन (सीईक्यूयूआईएन) के अध्ययन के मुताबिक, 1,588 महिलाओं, लड़कियों और



एलजीबीटीक्यू समुदाय के लोगों की प्रतिक्रियाओं पर आधारित इस अध्ययन में सार्वजनिक स्थानों की स्थिति, बुनियादी सुविधाओं और संस्थागत जवाबदेही को लेकर गंभीर सवाल उठाए गए हैं। अध्ययन के मुताबिक, 88.9 प्रतिशत उत्तरदाताओं को अंधेरा होने के बाद नजदीकी सार्वजनिक पार्क में असुरक्षा महसूस होती है। तीन-चौथाई से अधिक लोगों ने फुटपाथों पर रोशनी की व्यवस्था बेहद खराब बताई। वहीं, 60 प्रतिशत लोगों के अनुसार फुटपाथ या तो टूटे हुए हैं या कई जगह मौजूद ही नहीं हैं। ऐसे में महिलाओं के लिए रात के समय ही नहीं, दिन में भी पैदल आवाजाही मुश्किल हो जाती है।

सड़क पर बुनियादी सुविधाओं से ज्यादा व्यवहार की चुनौती

अध्ययन में सुरक्षा की समस्या के पीछे केवल खराब बुनियादी ढांचे को जिम्मेदार नहीं माना गया है। करीब 80 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने बताया कि पुरुषों का घूरना, फब्तियां कसना और पीछा करना उनके रोजमर्रा के सफर को असुरक्षित बनाता है। इससे स्पष्ट है कि सड़क पर बेहतर रोशनी और फुटपाथ बनाने के साथ सार्वजनिक व्यवहार में बदलाव भी जरूरी है।

यही नहीं पता कि शिकायत कहां करें

सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि 80.5 प्रतिशत लोगों को यह जानकारी ही नहीं है कि फुटपाथ, पार्क या सार्वजनिक स्थानों से जुड़ी उनकी शिकायतों के समाधान के लिए कौन सा सरकारी विभाग जिम्मेदार है। यानी समस्या का सामना करने के बाद भी उन्हें यह पता नहीं होता कि शिकायत लेकर कहां जाएं।

पुलिस की मौजूदगी में वीडियो कॉल पर बात कर सकेगा मुंबई हमले का आरोपी तहव्वुर राणा

नई दिल्ली, एजेंसी। मुंबई में साल 2008 में 26 नवंबर को हुए आतंकी हमले की बरसी से एक दिन पहले बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी की एक विशेष एनआईए अदालत ने हमले के आरोपित तहव्वुर हुसैन राणा को अपनी नवजात पोती को देखने के लिए वीडियो काल करने की अनुमति दे दी। वह 10 अप्रैल, 2025 से नई दिल्ली की तिहाड़ जेल की एक हाई-सिक्योरिटी सेल में बंद है। उसे अमेरिका से प्रत्यर्पित करके भारत लाया गया था। राणा ने अमेरिका में अपने परिवार से वीडियो कॉल के जरिए बात करने की अनुमति मांगी थी। विशेष न्यायाधीश प्रशांत शर्मा ने आवेदन पर दलीलें सुनने के बाद, तहव्वुर हुसैन राणा को तिहाड़ जेल से 14 दिसंबर और चार जनवरी, 2027 को अपने परिवार के साथ 10 मिनट की वीडियो कॉल करने की अनुमति दे दी।

अबला नहीं, अधिकारों से सशक्त बनें महिलाएं, मिशन शक्ति के तहत दिया आत्मनिर्भरता का संदेश

सखी केंद्र और महिला हेल्पलाइन 181 की बताई उपयोगिता, सरकारी योजनाओं व कानूनी अधिकारों की दी जानकारी

स्मार्ट हलचल । अनिल खींची

ब्यावर। महिलाओं एवं बालिकाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक कर उन्हें सुरक्षा और आत्मनिर्भरता की राह दिखाने के उद्देश्य से गुरुवार को मिशन शक्ति जागरूकता सप्ताह के तहत विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। महिला अधिकारिता विभाग के निर्देशानुसार पन्नाधाय



सुरक्षा एवं सम्मान केंद्र की ओर से इंद्रा कॉलोनी स्थित आंगनबाड़ी केंद्र संख्या 409 में आयोजित कार्यक्रम में महिलाओं को उनके अधिकारों और सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में महिला कल्याण से जुड़ी विभिन्न सरकारी योजनाओं, नीतियों एवं कानूनों के बारे में विस्तार से बताया गया। साथ ही मिशन शक्ति के तहत संचालित वन स्टॉप सेंटर (सखी केंद्र), महिला हेल्पलाइन 181 तथा महिला सुरक्षा एवं संरक्षण से जुड़े कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी गई। महिलाओं को बताया गया कि किसी भी प्रकार की परेशानी या उत्पीड़न की स्थिति में संबंधित सहायता सेवाओं का लाभ लिया जा सकता है। इस दौरान शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और समान अधिकारों के महत्व पर चर्चा करते हुए महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाने और अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहकर समाज में सशक्त भूमिका निभाने का संदेश दिया गया।

दिल्ली के लोगों को मिली प्रदूषण से थोड़ी राहत, अब एक्यूआई 222



नई दिल्ली,एजेंसी। देश की राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) का ग्राफ एक बार फिर से लुढ़क गया है। इस बार एक्यूआई 222 है। जिससे यहां के लोगों को खासा राहत मिल रही है। राहत की बात यह है कि पिछले कई दिनों से एक्यूआई का ग्राफ लगातार गिर रहा है। इससे पहले, लंबे समय तक दिल्ली के लोग प्रदूषित आबोहवा में सांस लेने को मजबूर थे। लेकिन, अब वायु गुणवत्ता में लगातार सुधार दर्ज किया जा रहा है।

लोगों को मिलेगी राहत..: दिल्ली का बढ़ता प्रदूषण हमेशा से ही चर्चा में रहा है। इस वजह से बच्चे, बुजुर्गों और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रहे लोगों को विभिन्न प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। लेकिन, अब पिछले कुछ दिनों से जिस तरह से लगातार एक्यूआई में गिरावट दर्ज की जा रही है, उससे स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे लोगों को जरूर राहत मिलेगी।

इसके इतर, प्रशासन की ओर से भी प्रदूषण के स्तर को कम करने के लिए कई तरह के प्रयास किए जा रहे हैं और ध्यान देने वाली बात है कि इन प्रयासों के नतीजे भी धरातल पर देखने को मिल रहे हैं।

प्रदूषण रोकने का पूरा खाका तैयार:

हालांकि, यह प्रयास आगे भी जारी रहेंगे। इसका बाकायदा खाका तैयार किया गया है, जिसके अनुरूप यह सबकुछ किया जा रहा है। दिल्ली में प्रदूषण होने के कई कारण हैं। खासकर पंजाब और हरियाणा के किसानों की ओर से पराली जलाना और इसके अलावा दिल्ली के भी अपने कई कारण है, जिस वजह से यहां का वातावरण प्रदूषित हो रहा है। लोगों का सांस लेना तक मुश्किल हो जाता है। खासकर सर्दी के मौसम में स्थिति और ज्यादा बिगड़ जाती है। इन्हीं सब स्थिति को देखते हुए हालात ज्यादा ना बिगड़े। शासन की ओर से इसकी कार्ययोजना तैयार की जाती है और उसी के अनुरूप सभी कदम उठाए जाते हैं, ताकि किसी को भी कोई समस्या नहीं हो।

दिल्ली में नशा तस्करी पर बड़ी कार्रवाई, 283 ग्राम हेरोइन के साथ पति-पत्नी समेत तीन गिरफ्तार



नईदिल्ली, एजेंसी। उत्तर-पश्चिम जिला पुलिस की एंटी नारकोटिक्स सेल ने नशा तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए पति-पत्नी समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने इनके कब्जे से 283.61 ग्राम हेरोइन (स्मैक) बरामद की है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत करीब एक करोड़ रुपये आंकी है।

आरोपियों के पास से तस्करी में इस्तेमाल की जा रही एक टीवीएस मोटरसाइकिल भी जब्त की है। डीसीपी उत्तर-पश्चिम जिला आकांक्षा यादव के नेतृत्व में यह कार्रवाई की है।

तीन संदिग्धों को टीम ने दबोचा: पुलिस के अनुसार, 18 नवंबर को गुप्त सूचना के आधार पर एंटी नारकोटिक्स सेल की टीम ने हैदरपुर विलेज मेट्रो स्टेशन के पास आउटर रिंग रोड पर जाल बिछाया। दोपहर करीब 2:35 बजे मौके पर पहुंचे तीन संदिग्धों को टीम ने दबोच लिया। वहीं, इनमें चिरंजी लाल उर्फ मनीष (29 वर्ष), उसकी पत्नी इशिका (22 वर्ष) और अरमान उर्फ अमन (18) शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक, अरमान कथित तौर पर नशे की खेप लेने पहुंचा था। तलाशी के दौरान पुलिस को 283.61 ग्राम हेरोइन बरामद हुई।

कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं मिला: इसके अलावा काले रंग की टीवीएस मोटरसाइकिल भी जब्त की गई। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार तीनों आरोपियों का पूर्व में कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं मिला है। इस मामले में मौर्या एन्क्लेव थाने में एफआईआर दर्ज की है।

कानून मंत्री के दफ्तर के बाहर 20 राउंड फायरिंग करने वाला दूसरा आरोपी एनकाउंटर में घायल



नईदिल्ली, एजेंसी। उस्मानपुर खादर इलाके में बुधवार देर रात को उत्तर पूर्वी जिला पुलिस के स्पेशल स्टाफ और समीर हत्याकांड में शामिल दूसरे बदमाश के बीच मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ के दौरान बदमाश अमन गाजी उर्फ गुर्जर के पैर में गोली लग गई। पुलिस टीम ने उसे घायल अवस्था में दबोच लिया और उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है।

20 राउंड गोलियां चली थी: अमन गाजी उर्फ गुर्जर दिल्ली के कानून मंत्री के कार्यालय के बाहर युवक समीर की हत्या के मामले में शामिल था। आरोपित ने कुख्यात बदमाश नसीम दुर्रानी के साथ मिलकर वारदात को अंजाम दिया था। दोनों ने कानून मंत्री के कार्यालय के बाहर करीब 20 राउंड गोलियां चलाकर समीर की हत्या कर दी थी। इस हत्याकांड के बाद से पुलिस आरोपितों की तलाश में जुटी थी। इस मामले में शामिल कुख्यात बदमाश नसीम दुर्रानी कुछ दिन पहले पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में मारा गया था। अब स्पेशल स्टाफ ने दूसरे आरोपित अमन गाजी को भी मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। साथ ही हत्याकांड से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच की जा रही है।

नरबदखेड़ा में चुनावी रण से पहले प्रशासन की चौकसी, सुरक्षा इंतजामों को परखा

प्रधान और उप प्रधान के चुनाव को लेकर एसडीएम व एएसपी ने संभाली कमान, निर्वाचन स्थल का किया निरीक्षण

स्मार्ट हलचल

ब्यावर । पंचायत समिति नरबदखेड़ा में प्रधान एवं उप प्रधान पद के चुनाव को लेकर प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। निर्वाचन प्रक्रिया को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष ढंग से संपन्न कराने के लिए गुरुवार को प्रशासन एवं पुलिस के अधिकारियों ने निर्वाचन स्थल का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की बारीकी से पड़ताल की। एसडीएम



ब्यावर जयपाल सिंह राठौड़ एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनुकृति उज्जैनिया पंचायत समिति सभागार स्थित भारत निर्माण सेवा केंद्र पहुंचे। यहां उन्होंने निर्वाचन स्थल पर की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा उपस्थित अधिकारियों से चुनाव संबंधी तैयारियों और सुरक्षा इंतजामों की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने स्पष्ट निर्देश दिए कि चुनाव प्रक्रिया में किसी तरह की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। मतदान एवं निर्वाचन के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त पुलिस जाब्ता तैनात रखने तथा प्रत्येक व्यवस्था को सुव्यवस्थित रखने पर जोर दिया। प्रशासन का उद्देश्य निर्वाचन प्रक्रिया को निष्पक्ष, पारदर्शी और शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराना है।

आहु नदी घाट तक बनेगा 20 फीट चौड़ा सीसी रोड, वर्षों पुरानी मांग हुई पूरी

धार्मिक विसर्जन और मृत्यु के बाद होने वाले कार्यक्रमों में आवागमन की परेशानी से मिलेगी राहत, जल्द शुरू होगा निर्माण

स्मार्ट हलचल



सुनेल सुनेल के भवानीमंडी रोड से आहु नदी घाट तक करीब 20 फीट चौड़े सीसी रोड निर्माण को सार्वजनिक निर्माण विभाग ने स्वीकृति दे दी है। निर्माण कार्य जल्द शुरू होने वाला है। मार्ग चौड़ा होने से घाट तक आने-जाने वाले लोगों को लंबे समय से हो रही परेशानी से राहत मिलेगी। गौरतलब है कि इस मार्ग को चौड़ा करने की मांग क्षेत्रवासियों द्वारा पिछले कई वर्षों से की जा रही थी। वर्तमान में मार्ग सिंगल सीसी रोड होने के कारण धार्मिक आयोजनों के दौरान आवागमन में काफी परेशानी होती थी। सुनेल, भवानीमंडी सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग गणेश प्रतिमा, माताजी की प्रतिमा और मोहर्रम के ताजिए विसर्जन के लिए आहु नदी घाट पहुंचते हैं। संकरे रास्ते पर वाहनों के फंसने से कई बार तनावपूर्ण स्थिति भी बन जाती थी। इसके अलावा आहु नदी घाट पर मृत्यु के बाद नहाने-धोने की रस्म तथा घाटे के कार्यक्रमों में भी बड़ी संख्या में लोग पहुंचते हैं। ऐसे अवसरों पर संकरे मार्ग के चलते लोगों को आवागमन में काफी परेशानी का सामना करना पड़ता था। सड़क चौड़ी होने से धार्मिक आयोजनों और सामाजिक कार्यक्रमों के दौरान आवागमन सुगम होने की उम्मीद है। क्षेत्रवासियों ने सड़क निर्माण की स्वीकृति मिलने पर पूर्व मुख्यमंत्री एवं क्षेत्रीय विधायक वसुंधरा राजे सिंधिया तथा सांसद दुष्यंत सिंह का आभार जताया है। पीडब्ल्यूडी के कनिष्ठ अभियंता संजय मीणा ने बताया कि भवानीमंडी रोड से आहु नदी घाट तक 20 फीट चौड़े सीसी रोड निर्माण कार्य जल्द ही कार्य शुरू किया जाएगा। मार्ग चौड़ा करने के लिए रास्ते में आने वाले किसानों से समझाइश कर सहयोग लिया जाएगा।

राजस्थान में आज शीतलहर का अलर्ट

रात में सर्दी तेज होने की आशंका अगले एक सप्ताह साफ रहेगा मौसम

स्मार्ट हलचल

जयपुर उत्तर भारत से आ रही सर्द हवा तेज हो गई। गुरुवार को सीकर, अजमेर, टोंक, बूंदी, कोटा जिलों और उनके आसपास के इलाकों में सुबह-शाम शीतलहर का असर रहा। शीतलहर के कारण इन शहरों में रात का तापमान सामान्य से 5 डिग्री तक नीचे चला गया, जिससे यहां तेज सर्दी शुरू हो गई। मौसम विभाग ने इन एरिया में अगले दो दिन कोल्ड-वेव का असर रहने की संभावना जताई है। इन जिलों के लिए यलो अलर्ट जारी किया है। 27 नवंबर को 5 जिलों में शीतलहर का यलो अलर्ट है।

धुंध और शीतलहर का असर: पिछले 24 घंटे का मौसम देखे तो राजस्थान में आसमान साफ रहा और धूप रही। अलवर, भरतपुर, सीकर, झुंझुनूं (दिल्ली एनसीआर और हरियाणा से लगते इलाके) में सुबह-सुबह हल्की धुंध रही। सीकर, टोंक, अजमेर, बूंदी, कोटा जिलों और उनके आसपास के इलाकों में सुबह-शाम शीतलहर चली। शीतलहर के असर से सीकर, गंगानगर, पिलानी, जयपुर, बाड़मेर समेत कई शहरों में दिन के तापमान में ?1 डिग्री तक की गिरावट हुई।

फतेहपुर में सबसे ठंडी रात: गुरुवार को सीकर के पास फतेहपुर में सबसे ठंडी रात रही। यहां रात का तापमान 4.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। सीकर में भी तेज सर्दी रही, जहां तापमान 5 डिग्री, नागौर में 6.1, चूरू में 7.6, भीलवाड़ा में 7.4, टोंक में 7.8, पिलानी में 8.5, अलवर में 8.4, उदयपुर में 8.7 और करौली में 8.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

संविधान के संकल्प से गूंजा जैतारण कॉलेज, युवाओं ने लिया राष्ट्र निर्माण में भागीदारी का प्रण...

PPT के जरिए यूथ आइकॉन युवराज सिंह ने बताई संविधान की ताकत, अधिकारों के साथ कर्तव्यों का भी कराया बोध

स्मार्ट हलचल

ब्यावर । संविधान की ताकत केवल उसके अधिकारों में नहीं, बल्कि नागरिकों द्वारा अपने कर्तव्यों के निर्वहन में भी निहित है। इसी संदेश के साथ संविधान दिवस पर गुरुवार को राजकीय महाविद्यालय, जैतारण में युवाओं को संवैधानिक मूल्यों से जोड़ने के उद्देश्य से विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में मेरा युवा भारत (MY Bharat), ब्यावर की ओर से आयोजित 'विकसित भारत युवा संवाद- संविधान दिवस एडिशन' में विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ भाग लिया। कार्यक्रम में ब्यावर जिले के



यूथ आइकॉन युवराज सिंह ने PPT प्रस्तुति के माध्यम से भारतीय संविधान की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, निर्माण प्रक्रिया, प्रस्तावना, मौलिक अधिकारों और मौलिक कर्तव्यों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने न्याय, स्वतंत्रता, समानता एवं बंधुता को संविधान के मूल आधार बताते हुए कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए युवाओं का जागरूक, जिम्मेदार और कर्तव्यनिष्ठ होना जरूरी है। उन्होंने विद्यार्थियों को संवैधानिक मूल्यों को केवल पढ़ने तक सीमित नहीं रखने, बल्कि उन्हें अपने व्यवहार और जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन रहा। महाविद्यालय के प्राचार्य अंशु राहड़, संकाय सदस्यों एवं विद्यार्थियों ने एक साथ प्रस्तावना का वाचन किया। इस दौरान युवाओं ने संविधान के आदर्शों का सम्मान करने, नागरिक जिम्मेदारियों का निर्वहन करने और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया। आयोजन में सांवरमल जाट, जगदीश पाल जुड़िया, रेखा भाटी, अन्वीक्षा शर्मा, वेद सुरज्ञान नाथ, हरिप्रसाद जोशी, मुकेश सोलंकी, सुनीता एवं संगीता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का मंच संचालन एवं संयोजन मेरा युवा भारत ब्यावर के स्वयंसेवक पवन जांगिड़ ने किया। कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं को लोकतांत्रिक व्यवस्था की समझ विकसित करने और देश के जिम्मेदार नागरिक बनने का संदेश दिया गया।

चुनावी महासंग्राम की राह पर उत्तर प्रदेश



निर्मल रानी
स्मार्ट हलचल



उत्तर प्रदेश विधानसभा की 403 सदस्यों के लिये होने वाले आम चुनाव, फ़रवरी-मार्च 2027 में होने की संभावना है। उत्तर प्रदेश के साथ ही देश के 4 अन्य राज्यों पंजाब, उत्तराखंड, मणिपुर और गोवा में भी संभवतः फ़रवरी-मार्च 2027 की शुरुआत में ही विधानसभा चुनाव होने की संभावना है। इन सभी पाँचों राज्यों की विधानसभाओं का कार्यकाल मार्च से मई 2027 के बीच समाप्त हो रहा है। इन पांच राज्यों के अलावा, वर्ष 2027 के अंत यानी नवंबर-दिसंबर में दो अन्य राज्यों गुजरात और हिमाचल प्रदेश में भी विधानसभा चुनाव निर्धारित हैं। इन विधान सभा चुनावों को 2029 के प्रस्तावित लोकसभा चुनावों के सेमी फ़ाइनल के रूप में भी देखा जा रहा है। वैसे तो इन सभी पांचों राज्यों में चुनाव बेहद दिलचस्प होने की संभावना है परन्तु सबसे चुनौतीपूर्ण चुनाव उत्तर प्रदेश में देखने को मिल सकता है। साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण के आधार अपनी चुनावी बिसात बिछाने वाला देश का यह सबसे बड़ा प्रदेश इस बार न केवल साम्प्रदायिक बल्कि जातीय समीकरणों में भी बुरी तरह उलझ चुका है। उत्तर प्रदेश में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण एस आई आर के बाद, निर्वाचन आयोग ने 2027 विधानसभा चुनाव से पहले ड्राफ्ट मतदाता सूची जारी कर दी है और नाम जोड़ने व सुधारने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। 17 नवंबर 2026 को जारी ड्राफ्ट मतदाता सूची में उत्तर प्रदेश में कुल 13.58 करोड़ मतदाता दर्ज किए गए हैं। 10 अप्रैल 2026 को एसआईआर के बाद प्रकाशित अंतिम सूची की तुलना में इस मसौदा सूची में 18,84,113 मतदाताओं की शुद्ध वृद्धि हुई है। इस वृद्धि में महिला मतदाताओं की संख्या में 10,96,828 और पुरुष मतदाताओं की संख्या में 7,87,449 का इज़ाफ़ा हुआ है। इससे पहले एसआईआर की प्रक्रिया के दौरान 15.44 करोड़ मतदाताओं की जांच के बाद 12.55 करोड़ नाम बरक़रार रखे गए थे और लगभग 2.89 करोड़ नाम सूची से हटाए गए थे। इसी बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दावा किया है कि पंचायत और विधानसभा मतदाता सूची के भ्रम के कारण 1 करोड़ 27 लाख हिंदू मतदाताओं के नाम सूची में नहीं जुड़ पाए हैं। इसके मद्देनज़र भाजपा ने हर बूथ पर मतदाता जोड़ने के लिए एक महीने का विशेष अभियान शुरू किया है। इसी तरह समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव और उनकी पार्टी ने भी मतदाता सूची में संभावित गड़बड़ियों और नाम कटने के मुद्दों पर सवाल उठाए हैं और अपने कार्यकर्ताओं को मतदाता सूची की निगरानी के लिए सक्रिय किया है। उधर मुस्लिम समाज भी न केवल उत्तर प्रदेश बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर जानबूझ कर पूर्व नियोजित तरीक़े से एक बड़ी साज़िश के तहत मुस्लिम मतदाताओं के नाम काटे जाने की शिकायत कर रहा है। उत्तर प्रदेश के इस चुनाव में जहां भाजपा बनाम इण्डिया गठबंधन (कांग्रेस+समाजवादी पार्टी) चुनावी मुक़ाबला होने की संभावना थी वहीँ मायावती की बहुजन समाज पार्टी भी शुरू से ही अपनी डफ़ली अलग ही बजा रही है। कुछ राजनैतिक विश्लेषक इसे मायावती द्वारा भाजपा को लाभ पहुँचाने की कोशिश की नज़र से भी देख रहे हैं। परन्तु पिछले दिनों असदुद्दीन ओवैसी की ए आई एम आई एम ने उत्तर प्रदेश की नगीना सीट से लोकसभा सांसद और 'भीम आर्मी' के प्रमुख चंद्रशेखर की आज़ाद समाज पार्टी (कांशीराम) से चुनाव पूर्व समझौता कर उत्तर प्रदेश के राजनैतिक हल्क़ों में खलबली पैदा कर दी है। बसपा जैसे दलों की सक्रियता से मुस्लिम वोटों के बंटवारे की संभावना पर जहां पहले भी चर्चा होती रही है वहीँ चुनाव नज़दीक आने पर बने ओवैसी चंद्रशेखर के यह नये समीकरण व इसके द्वारा उठाये जाने वाले धर्मस्थल विध्वंस,लक्षित एस आई आर,अवैध घुसपैठ, धर्मांतरण, धार्मिक जुलूसों जैसे अनेक ऐतिहासिक विवादों पर तीखे बयान सामाजिक और साम्प्रदायिक संवेदनशीलता को और भी बढ़ा रहे हैं। गोया उत्तर प्रदेश के लगभग 19-20' मुस्लिम मतदाताओं के रुझान को लेकर एक ओर जहां सपा-कांग्रेस गठबंधन इस वोट बैंक को एकजुट रखने का प्रयास कर रहे थे वहीं असदुद्दीन ओवैसी के ए आई एम आई एम व चंद्रशेखर की आज़ाद समाज पार्टी (कांशीराम) और बसपा जैसे दलों की सक्रियता से मुस्लिम वोटों के बंटवारे की संभावना बढ़ती दिखाई दे रही है। कुछ राजनैतिक विश्लेषक तो पहले ही असदुद्दीन ओवैसी को भाजपा के हितसाधक नेता के रूप में देखते आ रहे थे परन्तु अब इस सूची में चंद्रशेखर आज़ाद का नाम भी शामिल हो गया है। उधर भाजपा समर्थित बागेश्वर धाम प्रमुख धीरेन्द्र शास्त्री जोकि पहले भी अपने सम्प्रदायिकपूर्ण व विवादित बयानों के लिये चर्चा में बने रहते हैं उन्होंने पिछले दिनों 'हमारे राम तुम्हारे कृष्ण' जैसी बातें कर और साथ ही भगवान कृष्ण को लेकर अशोभनीय बातें कर समाज में रोष भड़का दिया है। इसके बाद बेशक धीरेन्द्र शास्त्री ने मुआफ़ी मांग ली है परन्तु उनके समर्थन और विरोध को लेकर खिंची रेखायें साफ़ दिखाई दे रही हैं। इसके अतिरिक्त राज्य की राजनीति में ब्राह्मण लॉबी और राजपूत/ठाकुर असंतोष जैसे मुद्दे भी चर्चा में हैं। जबकि बहुजन समाज पार्टी के कोर जाटव वोट बैंक में सेंध लगाने के लिए सपा, भाजपा और चंद्रशेखर की आज़ाद समाज पार्टी के बीच होड़ देखी जा रही है। उधर भारतीय जनता पार्टी द्वारा राम जन्म भूमि आंदोलन का पूरा लाभ उठा लेने के बाद और साथ ही मंदिर के दान व चंदा चोरी जैसे आरोपों में घिरने के बाद अब मथुरा की कृष्ण जन्मभूमि का मुद्दा उठाये जाने के भी चर्चा सुनी जा रही है। इतना ही नहीं बल्कि अधिकांश दलों द्वारा लगभग प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में उप-जातियों के आधार पर टिकट वितरण और प्रचार से स्थानीय स्तर पर जातीय वैमनस्य भी बढ़ सकता है। इसके अलावा चुनावों के बीच डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म पर भ्रामक सूचनाओं और भड़काऊ कंटेंट के प्रसार से भी साम्प्रदायिक और जातीय तनाव भड़कने का जोखिम बना रहता है। इसीलिये 2027 का चुनाव बेहद महत्वपूर्ण होने के कारण इस चुनाव में आक्रामक बयानबाज़ी बढ़ने की पूरी आशंका है। जबकि एक अध्ययन के मुताबिक़, सभी समुदायों के युवा मतदाता पहचान की राजनीति के साथ-साथ रोज़गार, शिक्षा और बुनियादी सेवाओं को भी प्राथमिकता दे रहे हैं। कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि इस बार उत्तर प्रदेश, चुनावी महासंग्राम की राह पर जाता दिखाई दे रहा है।

योजनाएं जनहित की, लाभ भ्रष्टाचारियों को...



(डॉ. सुधाकर आशावादी)
स्मार्ट हलचल

केंद्र सरकार द्वारा संचालित लाभकारी योजनाओं में शायद ही कोई ऐसी योजना हो, जो भ्रष्टाचार से मुक्त हो। मुफ्त राशन योजना के संदर्भ में केंद्रीय खाद्य मंत्रालय द्वारा किए गए एक सर्वे में यह तथ्य उजागर हुआ है कि मुफ्त राशन योजना का लाभ लेने वालों में तेरह प्रतिशत से अधिक अपात्र इस योजना का लाभ ले रहे हैं। खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग की ओर से कराए गए सर्वे में स्पष्ट हुआ है कि मुफ्त राशन लेने वाले अपात्रों की संख्या पश्चिमी बंगाल, त्रिपुरा व तमिलनाडु में चालीस प्रतिशत है, यानी कि प्रत्येक दस में से चार परिवार अपात्र होते हुए भी मुफ्त राशन योजना का लाभ ले रहे हैं। वस्तुस्थिति यह है कि जनहित में केंद्र या राज्य सरकार किसी भी लाभकारी योजना की शुरुआत करती है, तो भ्रष्टाचारी उसी योजना में अपना हित खोज ही लेते हैं तथा कागजी खानापूरी करके योजना में सेंध लगाने से बाज नहीं आते, जिससे योजना के औचित्य पर ही प्रश्न खड़े हो जाते हैं। हर योजना भ्रष्टाचारियों और अफसरशाही के घालमेल में अपने उद्देश्यों को पूरा करने में असफल हो जाती है। मुफ्त राशन योजना प्रतीक मात्र है। सरकारी सस्ते गल्ले की दुकानों पर चाहे कितने ही पहरे लगा लीजिए, भ्रष्टाचार के चंगुल से इनके मुक्त रहने की संभावना बहुत कम रहती है।देश में बहुत से परिवार ऐसे हैं, जिनका पालन-पोषण केवल सरकारी योजनाओं के आधार पर ही हो रहा है। दुर्बल आय वर्ग के नाम पर कागजों और व्यवहारिकता में जमीन-आसमान का अंतर है। दुर्बल आय वर्ग के नाम पर आवंटित आवासों का सर्वे करने से यह स्पष्ट हो सकता है कि किस प्रकार इस योजना का लाभ अपात्र उठा रहे हैं। कौन नहीं जानता कि मुफ्त आवास योजना हो या मुफ्त राशन योजना, इसका लाभ उठाने वाले लोग किस प्रकार सरकार पर बोझ बने हुए हैं। मुफ्त आवास व मुफ्त राशन योजनाएं देश की एक बड़ी आबादी को नाकारा बना रही हैं। परिवार के सदस्यों की संख्या पर राशन आवंटित होने से जनसंख्या नियंत्रण के प्रति ऐसे लोग कितने गंभीर हैं, इसका आंकड़ा भी वास्तविक सर्वे से स्पष्ट हो सकता है। सो मुफ्त राशन योजना सहित अन्य सभी मुफ्तखोरी की योजनाओं की समय-समय पर समीक्षा अपेक्षित है, ताकि सरकारी योजनाओं में भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाकर सरकार को अपनी आय का बड़ा भाग देने वाले आम करदाताओं के धन का दुरुपयोग न हो सके।

लोकतंत्र की आत्मा और संवैधानिक मर्यादा...



राज कुमार आमेटा
स्मार्ट हलचल



26 नवंबर यानी संविधान दिवस केवल एक ऐतिहासिक तिथि का स्मरण मात्र नहीं है, बल्कि यह पूरे राष्ट्र के लिए आत्ममंथन का अवसर है। वर्ष 1949 में इसी दिन भारत की संविधान सभा ने दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के इस आधारभूत दस्तावेज को अंगीकृत किया था। बाबासाहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर के नेतृत्व में तैयार यह संविधान देश की विशाल विविधता को एकता के सूत्र में पिरोने वाला और प्रत्येक नागरिक को समानता, स्वतंत्रता व न्याय की गारंटी देने वाला सबसे मजबूत सुरक्षा कवच है। बीते सात दशकों से अधिक की यात्रा में भारतीय संविधान ने अनेक उतार-चढ़ावों और चुनौतियों के बीच देश के लोकतांत्रिक ढांचे को अक्षुण्ण बनाए रखा है। लेकिन आज के दौर में एक बड़ी विडंबना यह देखने को मिल रही है कि समाज में संवैधानिक अधिकारों को लेकर तो जागरूकता बढ़ी है, किंतु मौलिक कर्तव्यों के प्रति वैसी गंभीरता नजर नहीं आती। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता से लेकर समानता के अधिकार तक हर वर्ग अपने हक की पुरजोर वकालत करता है, पर सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा, सामाजिक सद्भाव, पर्यावरण संरक्षण और कानून के सम्मान जैसे नागरिक कर्तव्यों को अक्सर भुला दिया जाता है। अधिकार और कर्तव्य एक ही सिक्के के दो पहलू हैं; इनमें संतुलन बिगड़ने से सामाजिक और प्रशासनिक व्यवस्था कमजोर होती है।

संविधान की सफलता केवल उसके लिखित अनुच्छेदों पर नहीं, बल्कि उन्हें लागू करने वालों की नीयत और 'संवैधानिक नैतिकता' पर निर्भर करती है। स्वयं डॉ. आंबेडकर ने संविधान सभा में यह चेतावनी दी थी कि यदि संविधान को अमल में लाने वाले लोग अच्छे न हों, तो श्रेष्ठ से श्रेष्ठ संविधान भी बुरा साबित हो सकता है। आज विधायिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका और मीडिया–लोकतंत्र के इन चारों स्तंभों के सामने यह सबसे बड़ी कसौटी है कि वे संवैधानिक मर्यादाओं का अक्षरशः पालन करें। स्वस्थ आलोचना का सम्मान, संवाद की संस्कृति और समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के प्रति संवेदनशीलता ही किसी जीवंत लोकतंत्र की असली पहचान होती है।

संविधान दिवस की सार्थकता तभी सिद्ध होगी, जब संविधान केवल औपचारिक आयोजनों और प्रस्तावना के सामूहिक वाचन तक सीमित न रहकर हमारे दैनिक आचरण का हिस्सा बने। शासन-प्रशासन की पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के साथ-साथ प्रत्येक नागरिक को भी यह संकल्प लेना होगा कि वह अपने अधिकारों के साथ कर्तव्यों का भी ईमानदारी से निर्वहन करेगा। एक जागरूक समाज और संवेदनशील तंत्र मिलकर ही संविधान निर्माताओं के समतामूलक, बंधुत्वपूर्ण और न्यायप्रिय भारत के सपने को साकार कर सकते हैं।

दलाई लामा को लुटियंस दिल्ली में सरकारी बंगला

- विदेश मंत्रालय के अनुरोध पर किया आवंटन, तिब्बती नेतृत्व ने फैसले का किया स्वागत

नई दिल्ली, एजेंसी। तिब्बती आध्यात्मिक गुरु दलाई लामा को राजधानी दिल्ली के लुटियंस क्षेत्र में सरकारी आवास आवंटित किया गया है। सूत्रों के अनुसार, केंद्रीय आवास और शहरी कार्य मंत्रालय ने विदेश मंत्रालय के अनुरोध पर दलाई लामा के कार्यालय 'गादेन फोडरंग ट्रस्ट' को पंडित रविशंकर शुक्ला लेन स्थित टाइप-7 सरकारी बंगला आवंटित किया है। हालांकि, इस संबंध में मंत्रालय की ओर से अभी आधिकारिक जानकारी जारी नहीं की गई है। सूत्रों के मुताबिक, सरकारी आवास का आवंटन आम तौर पर तीन वर्ष के लिए किया जाता है और निर्धारित प्रक्रिया के तहत इसकी अवधि बढ़ाने का प्रावधान भी होता है। इस आवास से दलाई लामा के दिल्ली दौरों के दौरान उनके ठहरने के लिए एक स्थायी व्यवस्था उपलब्ध हो सकेगी। निर्वासित तिब्बती संसद के सदस्यों ने केंद्र सरकार के इस फैसले का स्वागत किया है। संसद की स्पीकर डोलमा त्सेरिंग ने इसे अच्छी खबर बताते हुए कहा कि इससे दलाई लामा के लिए राष्ट्रीय राजधानी में आना और यहां ठहरना अधिक सुविधाजनक होगा। निर्वासित तिब्बती संसद की स्थायी समिति के सदस्य चोदक ग्यात्सो ने भी फैसले को सम्मान की बात बताया। उन्होंने कहा कि तिब्बतियों के पास अपना देश नहीं होने के दौर में भारत ने उन्हें शरण दी और धर्मशाला में बसने, स्कूल तथा अन्य संस्थान स्थापित करने में सहयोग किया। उनके मुताबिक, इन संस्थानों ने तिब्बती संस्कृति और पहचान को संरक्षित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।



सीजेपी नेता सौरभ दास की विदेश यात्रा पर रोक

- दीपके की फॉड सलाह पर छिड़ा विवाद

नई दिल्ली, एजेंसी। काम्पैक्ट जनता पार्टी (सीजेपी) के नेता सौरभ दास को विदेश यात्रा से रोके जाने पर विवाद गहरा गया है। इस घटना के बाद पार्टी के प्रमुख अभिजीत दीपके ने सरकार पर तंज कसते हुए दास को कोई बड़ा फॉड करने की सलाह दे डाली, ताकि उन्हें भी नीरव मोदी और विजय माल्या जैसे भगोड़ों की तरह देश से बाहर जाने दिया जाए। दीपके ने दास के पासपोर्ट पर उठ रहे सवालों को लेकर भी सरकार पर निशाना साधा है। सौरभ दास ने सोमवार को आरोप लगाया था कि उन्हें ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट यूनियन के बुलावे पर लंदन जाने से रोका गया है। उन्होंने एक वीडियो साझा कर बताया कि उन्हें पैनल चर्चा और लेक्चर के लिए न्योता मिला था, लेकिन सरकार ने उन्हें यात्रा करने से प्रतिबंधित कर दिया। सीजेपी के राष्ट्रीय संयोजक अभिजीत दीपके ने सोशल मीडिया पर लिखा, विजय माल्या ने 9 हजार करोड़ रुपये का फॉड किया, नीरव मोदी ने 6 हजार 498 करोड़ रुपये का फॉड किया, और मेहुल चोकसी ने 7 हजार 80 करोड़ रुपये का फॉड किया। इन सभी तीनों को देश छोड़कर भागने दिया गया। सौरभ दास भाई, कोई बड़ा फॉड कर अगर बाहर जाना है तो। उन्होंने इससे पहले भी कहा था कि काश सौरभ ने बैंक लूटा होता या फॉड किया होता, फिर सरकार उसे जरूर लंदन जाने देती। दीपके ने सौरभ दास के पासपोर्ट के मुद्दे पर भी सरकार से सवाल किया। उन्होंने लिखा, सौरभ के पासपोर्ट में गड़बड़ियां? उसका पासपोर्ट तो इसी सरकार ने साल 2019 में जारी किया था। उन्हें 7 साल से कोई गड़बड़ियां नहीं मिली हैं, लेकिन सीजेपी के गठन और सौरभ दास के उसके सबसे बड़े चेहरों में से एक बनने के बाद अचानक मिलने लगीं। उन्होंने यह भी कहा कि दास को हवाई अड्डे पर रोक लिया गया और बताया गया कि वह भारत से बाहर नहीं जा सकता। दीपके ने प्रश्न किया, एक भारतीय विदेश यात्रा क्यों नहीं कर सकता? क्या वह अपराधी है? दास द्वारा की गई सबसे बड़ी गलती यह है कि उसने कोई घोटाला या धोखाधड़ी नहीं की। दास ने बताया कि मुख्य कार्यक्रम ऑक्सफोर्ड यूनियन में 1 दिसंबर को था, जिसमें उन्हें और सीजेपी की लीगल हेड रत्ना सिंह को आमंत्रित किया गया था। छात्रों ने लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय, एडिनबर्ग विश्वविद्यालय और क्वीन मैरी विश्वविद्यालय में भी अन्य कार्यक्रमों की योजना बनाई थी।

पश्चिम बंगाल: तेजी से बढ़ा एनसीपीआई का दबदबा, टीएमसी में फिर टूट

कोलकाता , एजेंसी । पश्चिम बंगाल की राजनीति में इन दिनों एक नया सियासी समीकरण आकार ले रहा है। ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के कभी मजबूत गढ़ माने जाने वाले ग्रामीण इलाकों में अब नेशनलिस्ट सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) तेजी से अपनी पकड़ बना रही है। इस पार्टी में पहले से ही सायोनी घोष, सुदीप बंद्योपाध्याय, शताब्दी रॉय और यूसुफ पठान जैसे चर्चित नेता शामिल हो चुके हैं। तृणमूल के 20 बागी सांसदों के एनसीपीआई में शामिल होने के बाद अब पंचायत स्तर पर भी पार्टी का विस्तार हो रहा है।

उत्तर बंगाल से लेकर दक्षिण बंगाल तक कई पंचायत प्रतिनिधियों के पाला बदलने से ममता बनर्जी के सामने संगठनात्मक चुनौती खड़ी हो गई है। इस घटनाक्रम ने जहां टीएमसी के ग्रामीण आधार पर सवाल खड़े किए हैं, वहीं भारतीय जनता पार्टी की राजनीतिक रणनीति को लेकर भी नई बहस छेड़ दी है।

इस बदलाव की सबसे अहम बात यह है कि एनसीपीआई कोई पुरानी या बंगाल में मजबूत संगठनात्मक आधार वाली पार्टी नहीं है। यह केंद्र में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन का हिस्सा है। इसके बावजूद पंचायतों में लगातार हो रहे दलबदल ने उसे राज्य की राजनीति में चर्चा के केंद्र में ला दिया है। एनसीपीआई का यह उत्थान चौंकाने वाला है, क्योंकि हाल तक पश्चिम बंगाल में इसकी न के बराबर संगठनात्मक उपस्थिति थी। तृणमूल कांग्रेस की विधानसभा चुनाव में हार के बाद मची राजनीतिक उथल-पुथल का यह सबसे बड़ा लाभार्थी बनकर उभरा है। इसने बड़ी संख्या में चुने हुए प्रतिनिधियों को अपनी ओर आकर्षित किया है और कई ग्रामीण निकायों में सत्ता का संतुलन बदल दिया है। ताजा घटनाक्रम में सबसे बड़ा असर उत्तर 24 परगना जिले के बशीरहाट संसदीय क्षेत्र में दिखाई दे रहा है।

एनसीपीआई का दावा है कि उसने तृणमूल के कब्जे वाली 13 ग्राम पंचायतों और दो पंचायत समितियों पर नियंत्रण स्थापित कर लिया है। इस इलाके में संदेशखाली और मीनाखान जैसे क्षेत्र शामिल हैं, जहां से कई स्थानीय जनप्रतिनिधि एनसीपीआई में शामिल हुए हैं। मीनाखान पंचायत समिति में 23 सदस्यों में से 13 ने तृणमूल छोड़कर एनसीपीआई का दामन थाम लिया, जिनमें समिति के उपाध्यक्ष भी शामिल हैं। इसी तरह संदेशखाली-द्वितीय पंचायत समिति के 24 सदस्यों में से 17 ने एनसीपीआई का रुख किया है, जबकि संदेशखाली-द्वितीय की नजात-2 ग्राम पंचायत में 26 में से 19 सदस्य पार्टी छोड़कर चले गए हैं। उत्तर दिनाजपुर जिले की गोलपोखर-द्वितीय पंचायत समिति में भी अध्यक्ष समेत 16 सदस्य एनसीपीआई में शामिल हो गए हैं।

एनसीपीआई का यह विस्तार तृणमूल की चुनावी हार और उसके बाद पार्टी के संसदीय खेमे में हुई टूट के बाद हुआ है। तृणमूल कांग्रेस के 27 लोकसभा सदस्यों में से 20 सदस्य अलग होकर



एनसीपीआई में शामिल हो गए थे, साथ ही उन्होंने भाजपा के नेतृत्व वाले राजग को अपना समर्थन देने की घोषणा की थी। तृणमूल कांग्रेस ने एनसीपीआई को भाजपा के मोहरे के तौर पर काम करने का आरोप लगाया है। टीएमसी विधायक कुणाल घोष ने कहा, भाजपा अपनी बी-टीम और सी-टीम ला रही है। जो लोग दल बदलकर गए हैं, वे भाजपा के एजेंट हैं। वहीं मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने भी आरोप लगाया कि एनसीपीआई का सामने आना, बंगाल में भाजपा के विस्तार को आसान बनाने की एक बड़ी रणनीति का हिस्सा है।

संविधान दिवस पर लखनऊ में कांग्रेस की रैली आज, खड़गे होंगे शामिल

- प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में कार्यक्रम, आराधना मिश्रा बोलीं—संविधान और लोकतंत्र की रक्षा का संकल्प मजबूत करेंगे

लखनऊ,एजेंसी। संविधान दिवस के अवसर पर 26 नवंबर को लखनऊ में कांग्रेस की ओर से रैली और कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे इसमें शामिल होंगे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष आराधना मिश्रा ने इसकी जानकारी देते हुए कहा कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का कार्यक्रम में शामिल होना प्रदेश कांग्रेस के लिए गर्व और उत्साह का विषय है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने बताया कि प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता कार्यक्रम में शामिल होने के लिए लखनऊ पहुंच रहे हैं। मिश्रा ने कहा कि राहुल गांधी संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के लिए जो लड़ाई लड़ रहे हैं, उसे कांग्रेस सड़क से लेकर प्रदेश स्तर तक और मजबूत करेगी। इसी संकल्प के साथ 26 नवंबर को रैली आयोजित की जा रही है। उत्तर प्रदेश में सपा के साथ सीट बंटवारे को लेकर पूछे गए सवाल पर मिश्रा ने कहा कि करीब साढ़े तीन घंटे तक बैठक हुई और बातचीत सकारात्मक रही। उन्होंने इसे गठबंधन के लिए अच्छी शुरुआत बताया। मिश्रा ने कहा कि गठबंधन को पूरी मजबूती के साथ चुनाव लड़ा जाएगा और सरकार बनाने का लक्ष्य रखा गया है।

ईयर एंडर 2026

टी20 विश्व कप का खिताब, छक्कों का नया वर्ल्ड रिकॉर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के लिए साल 2026 बेमिसाल रहा। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में टीम इंडिया अपनी ही धरती पर टी20 विश्व कप के खिताब का बचाव करने वाली दुनिया की पहली टीम बनी। इसके साथ ही एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल के अलावा टीम ने छक्कों का नया वर्ल्ड रिकॉर्ड भी बनाया। टी20 विश्व कप का खिताब : भारतीय टीम ने सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में टी20 विश्व कप 2026 का खिताब अपने नाम किया। फाइनल में न्यूजीलैंड को 96 रनों से हराने के साथ ही भारत टी20 विश्व कप के खिताब का बचाव करने वाला पहला देश बना। इसके साथ ही अपनी घरेलू सरजमीं पर टीम इंडिया चैंपियन बनने वाली पहली



टीम भी बनी। भारत ने तीसरी बार टी20 वर्ल्ड कप का खिताब अपने नाम किया। भारतीय टीम का प्रदर्शन पूरे टूर्नामेंट में शानदार रहा और टीम को सिर्फ एक मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। भारत के लिए संजू सैमसन ने सर्वाधिक 321 रन बनाए जबकि 8 मैचों में 14 विकेट लेकर बेस्ट गेंदबाज रहे। एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल : जापान की धरती पर खेले गए एशियन गेम्स 2026 में भी भारतीय क्रिकेट टीम का जलवा रहा। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में टीम इंडिया ने फाइनल में पाकिस्तान को हराकर लगातार दूसरी बार गोल्ड मेडल अपने नाम किया। टूर्नामेंट में भारत के लिए सबसे ज्यादा रन ईशान किशन ने बनाए जबकि अक्षर पटेल सबसे सफल गेंदबाज रहे।

मुल्डर की शानदार गेंदबाजी, बांग्लादेशी बल्लेबाजों का दूसरी इनिंग में भी 'सरेंडर'

साउथ अफ्रीका ने एक पारी और 219 रनों से जीता दूसरा टेस्ट

सेंचुरियन(एजेंसी)। साउथ अफ्रीका ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए बांग्लादेश को दूसरे टेस्ट मैच में एक पारी और 219 रनों से हराया। सुपरस्पोर्ट्स पार्क के मैदान पर बांग्लादेश के बल्लेबाजों का प्रदर्शन दूसरी इनिंग में भी निराशाजनक रहा और पूरी टीम सिर्फ 184 रन बनाकर सिमट गई। दूसरी पारी में बांग्लादेश तंजीद हसन तमीम और महफिजुल इस्लाम ने सधी हुई शुरुआत दी और पहले विकेट के लिए 58 रन जोड़े। तंजीद 29 रन बनाकर आउट हुए, जबकि महफिजुल 38 रन बनाने के बाद पवेलियन लौटे। मोमिनुल हक अपना खाता भी नहीं



खोल सके। वहीं, कप्तान नजमुल हुसैन शांतो 34 रन बनाने के बाद वियान मुल्डर का शिकार बने। तौहीद हिरदॉय भी अच्छी शुरुआत का फायदा नहीं उठा सके और 33 गेंदों में 41 रन बनाकर आउट हुए। लिटन दास ने 15 रन बनाए, जबकि जेकर अली 2 रन ही बना सके। शोरिफुल इस्लाम (0) और तस्कीन अहमद (10 रन) भी बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके। खलील अहमद 5 रन बनाकर आउट हुए। दूसरी पारी में साउथ अफ्रीका की तरफ से वियान मुल्डर ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए 11 ओवर के स्पेल में 31 रन देकर 7 विकेट चटकाए, जबकि मार्को जानसेन ने 2 विकेट अपने नाम किए। कगिसो रबाडा ने एक विकेट झटका। बांग्लादेश की पूरी टीम पहली पारी में सिर्फ 91 रन बनाकर ढेर हो गई थी, जिसके जवाब में साउथ अफ्रीका ने 7 विकेट खोकर 494 रन बनाने के बाद अपनी पारी को घोषित किया था।

न्यूजीलैंड-भारत दूसरा टेस्ट

क्राइस्टचर्च के हेगली ओवल में कैसा है भारत का टेस्ट रिकॉर्ड, 2020 में करना पड़ा था करारी हार का सामना

क्राइस्टचर्च में दूसरा टेस्ट आज से



नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और न्यूजीलैंड के बीच सीरीज का दूसरा टेस्ट मैच क्राइस्टचर्च के हेगली ओवल मैदान पर खेला जाना है। वेलिंगटन में खेला गया सीरीज का पहला टेस्ट मैच ड्रॉ रहा था। आइए आपको बताते हैं कैसा रहा है टीम इंडिया का हेगली ओवल के मैदान पर टेस्ट रिकॉर्ड। दरअसल, भारतीय टीम ने क्राइस्टचर्च के इस मैदान पर अब तक सिर्फ एक ही टेस्ट मैच खेला था और इस मुकाबले में टीम को 7 विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। 2020 में विराट कोहली की कप्तानी में भारतीय टीम पहली पारी में 242 रन बनाकर ऑलआउट हुई थी।

इसके जवाब में भारतीय गेंदबाज न्यूजीलैंड की पहली पारी को 235 रनों पर समेटने में सफल रहे थे। दूसरी पारी में टीम इंडिया के बल्लेबाजों ने आसानी से न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाजों के आगे घुटने टेक दिए थे और पूरी टीम महज 124 रन बनाकर सिमट गई थी। न्यूजीलैंड ने 132 रनों के लक्ष्य को 3 विकेट खोकर हासिल करते हुए टेस्ट मैच को तीसरे ही दिन अपने नाम कर लिया था। हालांकि, शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय टीम इस बार पिछली हार का हिसाब चुकता करने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। न्यूजीलैंड ने इस ग्राउंड पर अब तक कुल 15 टेस्ट मैच खेले हैं और टीम को 9 में जीत हासिल हुई है। हेगली ओवल में न्यूजीलैंड को 4 टेस्ट मैचों में हार का सामना करना पड़ा है, जबकि 2 मुकाबले ड्रॉ रहे हैं। भारतीय टीम के लिहाज से पहला टेस्ट मैच शानदार रहा था। भारत का बल्लेबाजी क्रम जबरदस्त फॉर्म में नजर आया था। केएल राहुल और ऋषभ पंत शतकीय पारियां खेलने में सफल रहे थे, तो यशस्वी जायसवाल, देवदत्त पडिक्कल, ध्रुव जुरेल और कप्तान गिल ने भी अर्धशतकीय पारियां खेली थीं।

भारतीय टीम पहली पारी में ही 720 रन बनाने में सफल रही थी, जो न्यूजीलैंड की धरती पर टेस्ट में बनाया गया सबसे बड़ा स्कोर था। हालांकि, भारतीय टीम के गेंदबाज दूसरी पारी में संघर्ष करते हुए जरूर दिखाई दिए थे। टीम के गेंदबाज आखिरी दो सेशन में सिर्फ एक ही विकेट निकालने में सफल रहे थे और न्यूजीलैंड टेस्ट मैच को ड्रॉ कराने में कामयाब रहा था।

दो बार शून्य पर आउट हुए लाथम, बुमराह ने दोनों पारियों में किया था शिकार, क्या निकाल पाएंगे तोड़?

क्राइस्टचर्च (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के कप्तान टॉम लाथम जानते हैं कि जसप्रीत बुमराह का सामना करना आसान नहीं है। भारत के तेज गेंदबाज ने सीरीज के पहले टेस्ट की दोनों पारियों में उन्हें खाता भी नहीं खोलने दिया था। इसके बावजूद लाथम दूसरे टेस्ट में अपनी बल्लेबाजी की शैली में कोई बड़ा बदलाव नहीं करना चाहते हैं। उनका कहना है कि उनकी तैयारी पिछले सप्ताह जैसी ही है। भारत और न्यूजीलैंड के बीच सीरीज का दूसरा टेस्ट शुक्रवार से क्राइस्टचर्च के हेगली ओवल में खेला जाएगा। बुमराह की अनूठी गेंदबाजी शैली और बल्लेबाज के करीब गेंद डालने की क्षमता उन्हें खास बनाती है। स्विंग के अनुकूल परिस्थितियों में उनका सामना करना और भी चुनौतीपूर्ण हो जाता है।





अपनी बल्लेबाजी में बदलाव नहीं करना चाहते लाथम

लाथम अपनी बल्लेबाजी शैली पर ही कायम रहना चाहते हैं। उनका मानना है कि तकनीक में बदलाव करने के बजाय अपने विचारों में स्पष्टता रखना ज्यादा जरूरी है। उन्होंने कहा, 'कभी-कभी मुश्किल यह होती है कि अगर कुछ अलग करने की कोशिश सफल नहीं होती, तो इससे ध्यान भटक जाता है। लेकिन मुझे लगता है कि अगर आज मैं इस मुकाम पर हूं तो इसका कारण यही है कि मैं जो कर रहा हूं, उसे लेकर पूरी तरह स्पष्ट हूं।' लाथम ने कहा, 'तकनीक के मामले में इसे बिल्कुल सरल रखना सबसे महत्वपूर्ण है। चुनौती यह हो सकती है कि उस सोच से बाहर निकलकर रन बनाने का कोई जादुई तरीका खोजने की कोशिश की जाए। लेकिन हमारे खेल में ऐसा कोई जादुई तरीका नहीं है।'

बुमराह की गेंदबाजी शैली को बताया चुनौतीपूर्ण

दूसरे टेस्ट की पूर्व संध्या पर लाथम ने बुमराह की गेंदबाजी पर बात की। उन्होंने कहा, 'जसप्रीत बुमराह निश्चित रूप से चुनौती पेश करते हैं, चाहे वह नई गेंद से गेंदबाजी कर रहे हों या पुरानी गेंद से। उनकी गेंदबाजी शैली अनूठी है और वह दूसरे गेंदबाजों की तुलना में गेंद को बल्लेबाज के थोड़ा अधिक करीब डालते हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'मेरे लिए सबसे महत्वपूर्ण उस गेंद को खेलने के लिए खुद को तैयार रखना है, जो सबसे खतरनाक साबित हो सकती है। हो सकता है कि कुछ खिलाड़ियों का खेलने का तरीका मुझसे बिल्कुल अलग हो।'

विमेंस एशियन चैंपियंस ट्रॉफी अपने विजय रथ को बरकरार रखना चाहेगी भारतीय टीम

सेमीफाइनल में मलेशिया से होगी भिड़ंत



भोपाल (एजेंसी)। लगातार पांच जीत दर्ज करके शानदार फॉर्म में मौजूद भारतीय विमेंस हॉकी टीम शुक्रवार को नाथू बरखेड़ा स्थित इंटरनेशनल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में विमेंस एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2026 के सेमीफाइनल में मलेशिया से भिड़ेगी। मौजूदा चैंपियन भारत ने 2016, 2023 और 2024 में महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीता है। अब टीम अपने चौथे खिताब की तलाश में है, जो उसे इस टूर्नामेंट की सबसे सफल टीम बना देगा। भोपाल संस्करण की शुरुआत से पहले, भारत और साउथ कोरिया दोनों के नाम तीन-तीन चैंपियनशिप थीं। मुख्य कोच स्योर्ड मारिन के मार्गदर्शन में भारत ने शानदार प्रदर्शन किया है। टीम ने पांच मैचों में 15 अंक हासिल करके अंक तालिका में शीर्ष स्थान प्राप्त किया है। मौजूदा चैंपियन ने 23 गोल किए हैं और केवल चार गोल खाए हैं, जिससे उनका गोल अंतर प्लस 19 रहा है। भोपाल में भारत का अब तक का प्रदर्शन उनकी आक्रामक क्षमता और मजबूत डिफेंस को दर्शाता है। इसी शानदार खेल की बदौलत भारतीय टीम इंटरनेशनल हॉकी फेडरेशन (एफआईएच) रैंकिंग में विश्व नंबर 4 के ऐतिहासिक मुकाम पर पहुंच गई है।

दीपिका इस टूर्नामेंट की सबसे प्रभावशाली आक्रामक खिलाड़ियों में से एक बनकर उभरी हैं। उन्होंने आठ गोल के साथ स्कोरिंग चार्ट में शीर्ष स्थान हासिल किया है, जिसमें थाईलैंड और चीन के खिलाफ लगाई गई हैट्रिक भी शामिल है। हालांकि, मेजबान टीम की ताकत सिर्फ उनके टॉप स्कोरर तक ही सीमित नहीं है। लालरेमसियामी, नवनीत कौर, मुमताज खान, नेहा, साक्षी राणा और सुनेलिता टोप्पो ने भी टीम के लिए अहम योगदान दिया है।

मिडफील्ड में नवनीत ने मौके बनाने और पेनल्टी कॉर्नर हासिल करने में अहम भूमिका निभाई है, जबकि कप्तान सलीमा टेटे ने अपने पासिंग, मूवमेंट और नेतृत्व क्षमता से टीम को मजबूती दी है। साक्षी, सुनेलिता और नेहा के

'आप ऐसे कारनामे कर रहे हैं, जो हमारे में से ज्यादातर लोग पूरे करियर में नहीं कर पाते'

पीटरसन हुए वैभव के फैन

नई दिल्ली(एजेंसी)। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन ने युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की जमकर तारीफ की है। एसीसी मेंस एशिया कप राइजिंग स्टार्स 2026 में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के खिलाफ रिकॉर्ड तोड़ने वाला दोहरा शतक लगाने के बाद पीटरसन ने कहा कि 15 साल का यह खिलाड़ी ऐसे कारनामे कर रहा है, जो ज्यादातर क्रिकेटर अपने पूरे करियर में भी नहीं कर पाते। सूर्यवंशी ने शानदार पावर-हिटिंग का प्रदर्शन करते हुए सिर्फ 53 गेंदों में 204 रन बनाए। उनकी इस पारी में 28 छक्के और 7 चौके शामिल थे, जिसकी मदद से भारत-ए ने 7 विकेट से जीत दर्ज की और सेमीफाइनल का टिकट हासिल किया। इस युवा खिलाड़ी की असाधारण पारी पर प्रतिक्रिया देते हुए पीटरसन ने सोशल मीडिया पर उन्हें बधाई दी और उन्हें बेहद शानदार प्रतिभा बताया। पीटरसन ने अपने 'एक्स' पर लिखा, 'अपने करियर की शुरुआत में ही लगातार रिकॉर्ड तोड़ना वाकई कमाल है। आप ऐसे कारनामे कर रहे हैं जो हमारे में से ज्यादातर लोग अपने पूरे करियर में नहीं कर पाते। आपको और ताकत मिले, मुझे आपका सफर देखना बहुत पसंद है।' बिहार के इस युवा बल्लेबाज ने यूएई के खिलाफ रन चेज के दौरान लिस्ट-ए क्रिकेट के रिकॉर्ड बुक को तहस-नहस कर दिया। उन्होंने इस फॉर्मेट में सबसे तेज शतक और दोहरा शतक लगाने का रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने सिर्फ 28 गेंदों में अपना शतक पूरा किया, जो ऑस्ट्रेलिया के जेक फ्रेजर-मैकगर्क के रिकॉर्ड से बेहतर है।



फ्रेजर-मैकगर्क ने 2023 में तस्मानिया के खिलाफ साउथ ऑस्ट्रेलिया के लिए 29 गेंदों में शतक लगाया था। सूर्यवंशी ने सिर्फ 52 गेंदों में अपना पहला दोहरा शतक पूरा किया। इसके साथ ही उन्होंने लिस्ट-ए की एक पारी में किसी बल्लेबाज द्वारा सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया। 250 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत-ए ने सिर्फ 14.2 ओवर में 254/3 रन बनाते हुए आसानी से मैच को अपने नाम किया।

सुरेश रैना: टी20 इंटरनेशनल में शतक लगाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज

विश्व कप 2011 में निभाई थी अहम भूमिका

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया के पूर्व बल्लेबाज सुरेश रैना ने अपने इंटरनेशनल करियर में कई बड़े मुकाम हासिल किए। वह टी20 इंटरनेशनल में शतक लगाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज रहे। इसके साथ ही उन्होंने वनडे विश्व कप 2011 में टीम इंडिया को चैंपियन बनाने में भी अहम भूमिका निभाई। सुरेश रैना का जन्म 27 नवंबर 1986 को उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले के मुरादनगर में हुआ। रैना की क्रिकेट में दिलचस्पी अपने बड़े भाई मुकेश को क्रिकेट खेलते देखकर जागी। वह मुरादनगर के वीनस क्रिकेट क्लब में भाई के साथ



जाया करते थे। रैना ने जल्द ही इस खेल में अपना करियर बनाने की ठान ली। रैना ने क्लब स्तर पर लगातार अच्छा प्रदर्शन किया और जल्द ही उत्तर प्रदेश की अंडर-16 टीम में जगह बना ली। अंडर-17 और अंडर-19 टीमों के लिए दमदार प्रदर्शन करने के बाद रैना ने फर्स्ट-क्लास क्रिकेट में अपना डेब्यू साल 2003 में किया।

घरेलू क्रिकेट में रैना ने लगातार अपनी बल्लेबाजी से काफी प्रभावित किया। 109 फर्स्ट-क्लास मैचों में रैना ने 42.15 की औसत से खेलते हुए 6,871 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने 14 शतक और 45 अर्धशतक लगाए।

चैंपियंस लीग: लिवरपूल ने दर्ज की धमाकेदार जीत

मैनचेस्टर यूनाइटेड और स्पोर्टिंग सीपी का मुकाबला 2-2 से रहा ड्रॉ

नई दिल्ली (एजेंसी)। चैंपियंस लीग में लिवरपूल ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए क्लब ब्रुग को 3-0 से हराया। इस मैच में अलेक्जेंडर इसाक ने दो गोल किए, जबकि फ्लोरियन विर्ट्ज ने भी एक शानदार लॉन्ग-रेंज गोल दागा। जान ब्रेयडेल स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले की शुरुआत में ही अलेक्जेंडर इसाक ने करीब से गोल करके लिवरपूल को बढ़त दिला दी। लिवरपूल का डिफेंस भी मुकाबले में काफी मजबूत नजर आया और मैच के अंत में फ्लोरियन विर्ट्ज और इसाक के बेहतरीन गोलों की मदद से 3 अंक पक्के कर लिए। डोमिनिक सोबोस्जलाई के पास पर इसाक ने गोल करके लिवरपूल को हाफ-टाइम तक बढ़त दिला दी। इस दौरान यान सोमर ने हंगरी के खिलाड़ी सोबोस्जलाई के करीब से लिए गए शॉट को रोक दिया, जबकि दूसरे हाफ में लिवरपूल के गोलकीपर एलिसन बेकर ने फेलिक्स लेमारेचल के शॉट को बाहर कर दिया।



मैच खत्म होने से 11 मिनट पहले रियो न्गुमोहा के पास पर विर्ट्ज ने गेंद को पोस्ट के सहारे गोल में बदल दिया। इसके बाद, एलिसन की लंबी पास पर इसाक ने शानदार तरीके से गेंद को कंट्रोल करते हुए एक और गोल दागा। एंडोनी इराओला की टीम ने लीग चरण में अब तक 15 में से 12 अंक हासिल कर लिए हैं। उनका अगला मुकाबला घरेलू मैदान पर एफसी पोर्टो के खिलाफ होगा।

बार्सिलोना ने सबाह एफके को 4-1 से हराया, पीएसजी-रोमा के बीच 2-2 से ड्रॉ रहा मुकाबला

नई दिल्ली (एजेंसी)। एफसी बार्सिलोना ने बाकू में सबाह एफके को 4-1 से हराया। एंथनी गॉर्डन के दो गोल और करीम अदेयेमी तथा गेब्रियल जीसस के एक-एक गोल की मदद से बार्सिलोना ने यूईएफए चैंपियंस लीग के लीग चरण में अपने पांचवें मैच में चौथी जीत दर्ज की। शुरुआत से ही गेंद पर अपना दबदबा बनाए रखने के बावजूद, बार्सिलोना को अजरबैजानी टीम के अनुशासित डिफेंस को भेदने में शुरुआती संघर्ष करना पड़ा। हाफ-टाइम के बाद, गेब्रियल जीसस के शॉट को पोकातिलोव ने रोका, लेकिन गेंद रिबाउंड होकर गॉर्डन के पास आई, जिन्होंने बार्सिलोना के लिए पहला गोल दागा। इसके बाद करीम अदेयेमी ने दूसरा गोल किया। जीसस ने तीसरा गोल किया, जबकि जॉय-लांस



मिकल्स ने एक शानदार फिनिश के साथ अपनी टीम के लिए एक गोल किया। अदेयेमी पांचवां गोल करने के करीब थे, लेकिन पेनल्टी एरिया के अंदर से लगाया गया उनका जोरदार शॉट क्रॉसबार से टकरा गया। हालांकि, बार्सिलोना ने तीन महत्वपूर्ण अंक हासिल करने और राउंड ऑफ 16 में सीधे क्वालिफिकेशन की ओर एक और बड़ा कदम बढ़ाने के लिए पर्याप्त काम कर लिया था। इस बीच, पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) ने अपने घरेलू मैदान पर एएस रोमा के साथ 2-2 से ड्रॉ खेलकर यूईएफए चैंपियंस लीग में अपना अजेय रिकॉर्ड बरकरार रखा। मारियो हर्मोसो (5वें मिनट) के शुरुआती गोल के जवाब में इल्या जबार्नी (31वें मिनट) ने पीएसजी के लिए अपना पहला कॉन्टिनेंटल गोल किया।

स्वत्वाधिकार प्रकाशन एवं मुद्रक राजकुमार आमेटा के लिए स्मार्ट कम्प्यूटर्स एण्ड प्रिन्टर्स, कोर्ट के सामने, माण्डलगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। मो. 9649222850 Email.smarthalchalnews@gmail.com